R.N.I. NO. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :12 | अंक : 237 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 02 अगस्त 2024 | मूल्य: 1.50 रुपये

जयपुर में बारिश ने तोड़ा 12 साल का रिकॉर्ड

राजधानी का ड्रेनेज सिस्टम फेल लील गया चार लोगों की जान

विश्वकर्मा स्थित बेसमेंट में पानी भरने से तीन की मौत, बगरू में 15 साल का बालक नाले में डूबा, मुख्यमंत्री कोष से पीड़ितों को पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता

रॉयल पत्रिका

प्रदेश में इस सीजन की सबसे अधिक बरसात ने गुरुवार सुबह राजधानी जयपुर में त्राहिमान मचा दिया। 12 साल बाद जयपुर शहर में हुई तेज बरसात के कारण जयपुर जलपुर बन गया। दिल्ली के राजेन्द्र नगर की तरह विश्वकर्मा इलाके में बेसमेंट में पानी भरने से तीन जनों की मौत हो गई। वहीं बगरू में सड़क पार कर रहा 15 साल का बालक बिना ढक्कन के नाले में गिर गया, जिससे बहकर चला गया। एक घंटे बाद घटनास्थलसे पांच सौ मीटर दूर उसका शव बरामद किया है। इसके अलावा त्रिवेणी नगर महेश नगर के पास एक मकान ढहने से बुजुर्ग घायल हो गया। जयसिंहपुरा खोर में दो मकान ढहने से तीन लोग जख्मी हो गए। जलमहल के पास सड़क का पानी जलमहल की पाल की बराबर आ गया। जयपुर एयरपोर्ट व प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल एसएमएस में पानी भर गया। महारानी फार्म के पास द्रव्यवती नदी सड़क के ऊपर बहने लगी जिस कारण यातायात रूक गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा थाना इलाके के रोड नम्बर सात ब्रज नगर में बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि को हुई भारी वर्षा के कारण सड़क किनारे बने बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने से पूर्वी (8), पूजा (19) और कमल (23) की मौत हो गई। जो बिहार के आरा के रहने वाले थे। मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम ने छह घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोपहर साढ़े बारह बजे तीनों के शवों को बाहर निकाला। वहीं काफी मशक्कत के बाद एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

जानकारी के मुताबिक, पच्चीस साल पहले बिहार के आरा निवासी अशोक सैनी और बैजनाथ सैनी ने ब्रज नगर में प्लॉट नंबर 94-95 लिया था। यहां पर उन्होंने मकान बनाया था। सड़क इतनी बनी की उनका दो मंजिला मकान बेसमेंट बन गया।

दोस्त के सामने पीयूष को खींच ले गई मौत

जयपुर के बगरू इलाके में भारी बारिश के बाद एक नवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। कस्बे के छीपा मोहल्ला निवासी पीयूष अपने दोस्त विशाल व अन्य के साथ सड़क पर भरे पानी को पार कर घर की तरफ जा रहा था, इस दौरान सड़क किनारे बने नाले का मेनहोल खुला होने के कारण व देखते ही देखते नाले में बह गया। विशाल ने जब उसे डूबते देखा तो हाथ आगे बढ़ाया पर नाले में पड़ रहे भंवर के कारण वह उसमें समा गया। बाद में पांच सौ मीटर दूर नाले में पीयूष का शव मिला। बताया जा रहा है कि बगरू में हमेशा तेज बारिश में पानी भरता है। , जिसके लिए नाला बनाया था मगर पानी के अधिक वेग के कारण नाले का ढक्कन निकल गया और उधर से गुजर रहा पीयूष में उसमें बह गया।

एनबीसीसी के डीजीएम भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनबीसीसी के एक उप महाप्रबंधक को एक ठेकेदार से 5 लाख रुपएकी

रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में तैनात आरोपी डीजीएम वरुण पोपली ने ठेकेदार से कथित तौर पर 11 लाख की मांग की थी। वह कथित तौर पर दिल्ली में 5 लाख रुपए का आंशिक भुगतान करने के लिए सहमत हो गया।

पूजा की एंटीसिपेटरी बेल की अर्जी खारिज

नई दिल्ली। धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में आरोपी पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा

खेडकर को पटियाला हाउस कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने पूजा की एंटी-सेपेट्री बेल की अर्जी को खारिज कर दिया है। पूजा का कहना था कि उसे डर है कि इस मामले में यूपीएससी की शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर में पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।

राजस्थान सरकार भी लाएगी यूसीसी बिल

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की तैयारी कर रही है।

उन्होंने इसकी कोई भी समयसीमा नहीं बताई है। प भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने सरकार से पूछा कि क्या वह उत्तराखंड की तर्ज पर यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की प्लानिंग कर रही है तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विचार कर रहे हैं।

हिमाचल-उत्तराखंड में बादल फटे, जम्मू के किश्तवाड़ में भारी बारिश से बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के ज्यादातर इलाकों में मानसून जमकर सक्रिय है। जम्मू के किश्तवाड़ में गुरुवार को बादल फटने से बाढ़ आ गई है। इससे पहले हिमाचल में देर रात 4 जगह बादल फटे। इससे रामपुर के समेज खड्ड में कई घर बह गए। यहां 2 लोगों के शव मिले हैं, जबकि 52 लोग लापता हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ रेस्क्यू में जुटी हैं। वहीं, मलाणा में पार्वती नदी में पानी बढ़ने के बाद पावर प्रोजेक्ट का डैम टूट गया। कुल्लू और मंडी में भी भारी तबाही हुई है। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल के घनसाली में भी बुधवार रात बादल फटे। यहां दो लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल है। केदारनाथ में बादल फटने से यात्रा रूट पर 30 मीटर की सड़क मंदाकिनी नदी में समा गई। यात्रा रोक दी गई है और 200 से ज्यादा लोग फंसे हैं।

हिमाचल में बाढ़, 4 लोगों की मौत, 49 लापता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीती रात भारी बारिश से तबाही हुई है। इसमें 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 49 लोग लापता हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और होम गार्ड लोगों को रेस्क्यू करने में लगे हुए हैं। मनाली में 4 सेकेंड में सब्जी मंडी की 5 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। बारिश के बाद से नदियां और नाले उफान पर हैं। चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे के साथ 4 पुल बह गए हैं। बीती रात कुल्लू, मंडी, चंबा और शिमला के रामपुर में बादल फटा। सबसे ज्यादा तबाही रामपुर में हुई। यहां समेज गांव के कई घर, स्कूल, गेस्ट हाउस और एक बिजली प्रोजेक्ट का पावर हाउस बह गया है। 36 लोग लापता हो गए। एक डेडबॉडी बरामद हुई है। मंडी की चौहरघाटी में 3 मकान लैंडस्लाइड के चपेट में आ गए।

नई संसद की छत से पानी लीक, नीचे बाल्टी रखी, विपक्ष ने सरकार को घेरा

विपक्ष का कटाक्षः बाहर पेपर लीक और संसद भवन भी 'लीक'

सचिवालय : गुंबद के शीशे से मामूली रिसाव, जल जमाव नहीं

रॉयल पत्रिका

एक साल पहले बनकर तैयार हुई नई संसद की छत से पानी लीक होने का एक वीडियो सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि संसद की लॉबी में पानी गिर रहा है और उसके नीचे एक बाल्टी रखी है जिसमें पानी जमा हो रहा है। यह वीडियो कांग्रेस के मणिकम टैगोर ने शेयर कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- संसद के बाहर पेपर लीक और अंदर पानी लीक। इसे लेकर लोकसभा सचिवालय ने कहा कि ग्रीन संसद की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए संसद भवन के कई हिस्सों में कांच के गुंबद (ग्लास डोम) लगाए गए हैं, ताकि नेचुरल लाइट आ सके। इसमें लॉबी भी शामिल है। बुधवार को भारी बारिश के बाद ग्लास डोम को सील करने के लिए लगाया गया पदार्थ हट गया था, जिसके चलते पानी का रिसाव हुआ। हालांकि इसे अब ठीक कर लिया गया है।

अखिलेश बोले-नई से तो पुरानी संसद अच्छी थी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने 'एक्स' पर

पोस्ट किया, "इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चले, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है।" यादव ने कहा, "जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनायी गयी डिजाइन का हिस्सा होता है या फिर।

महुआ बोलीं, संसद लॉबी में पानी का हो रहा रिसाव

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, "संसद लॉबी से पानी का रिसाव हो रहा है। यह देखते हुए कि इमारत

नरेन्द्र मोदी के अहंकार से जुड़ी इमारत है, यह उचित ही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद यह डंवाडोल हो गई है। 'भारत मंडपम' में भी इसका स्पष्ट उदाहरण है।" कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने दावा किया कि कुछ घंटों की बारिश के बाद देश की राजधानी की हालत खराब हो गई। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, "संसद से लेकर सड़कों तक सब कुछ पानी में डूबा हुआ है।

संसद भवन की सुदृढ़ता के विषय में संदेह उत्पन्न करने वाली खबरें सहीं नहीं : सचिवालय

नई दिल्ली (भाषा)। लोकसभा सचिवालय ने संसद की लॉबी से पानी के रिसाव की खबरों और इस संबंध में विपक्षी सदस्यों के दावों की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को कहा कि यह मामूली रिसाव था जो अत्यधिक बारिश के कारण भवन के गुंबद के शीशे से हुआ था। सचिवालय ने यह भी कहा कि संसद परिसर में कहीं भी जल जमाव नहीं हुआ था और बारिश के तत्काल बाद पानी की निकासी हो गई थी। सचिवालय ने एक बयान में कहा, 'ऐसी खबरें प्रकाशित हुई हैं कि बुधवार को दिल्ली में भारी बारिश के कारण नए संसद भवन की लॉबी में पानी का रिसाव हुआ, जिससे भवन की सुदृढ़ता के विषय में संदेह उत्पन्न हो गया है। खबरों में यह भी देखा गया है कि परिसर के आसपास जलभराव, खासकर नई संसद के मकर द्वार के पास जलभराव के कई वीडियो सोशल मीडिया मंचों पर वायरल हो रहे हैं। उसने कहा, "ग्रीन पार्लियामेंट की संकल्पना के अनुसरण में लॉबी सहित भवन के कई हिस्सों में ग्लास डोम्स लगाए गए हैं, ताकि संसद के दैनिक कामकाज में प्रचुर प्राकृतिक रोशनी का उपयोग किया जा सके। बुधवार को भारी बारिश के दौरान, भवन की लॉबी के ऊपर गुंबद के शीशे को फिक्स करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला 'एडहेसिव' थोड़ा हट गया, जिससे लॉबी में पानी का मामूली रिसाव हो गया।" सचिवालय ने कहा कि समस्या का समय पर पता चल गया और तुरंत आवश्यक उपाय किए गए, इसके बाद पानी का कोई और रिसाव नहीं देखा गया। उसने कहा कि इसी तरह संसद भवन के 'मकर द्वार' के सामने जमा पानी भी तेजी से ड्रेनेज सिस्टम के द्वारा निकल गया था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस समेत विपक्ष के कुछ सदस्यों ने वीडियो साझा करते हुए इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा है।

शहर में बढ़ती आबादी को देखते हुए आधुनिक अवसंरचना निर्माण एवं उनके रखरखाव के प्रयास जारी : मनोहर लाल

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वर्ष 2030 तक शहरों में रहने वालों की संख्या देश की कुल आबादी का 40 प्रतिशत होने का अनुमान है जिसे देखते हुए आधुनिक अवसंरचना निर्माण एवं उनका रखरखाव करना होगा और केंद्र सरकार इसके

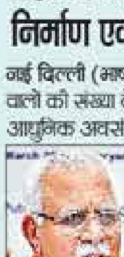

लिए प्रयासरत है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, इस मंत्रालय के प्रभारी मनोहर लाल खट्टर ने यह भी कहा कि 1992 में 74वां संविधान संशोधन कर कहा गया कि शहरी विकास राज्यों का विषय है और शहरी स्थानीय निकायों को 12वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 18 कार्यों को करने का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि इसीलिए निर्माण कार्य पूरा होने के बाद रखरखाव के लिए राज्य सरकारों को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उच्च सदन में मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि कई अपेक्षाएं की गई हैं और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए सुझाव भी दिए गए हैं। "अपेक्षाएं उनसे ही की जाती हैं जो काम करते हैं। जो काम नहीं करते, उनसे क्या अपेक्षा की जाएगी।

रेल मंत्री बोले- हम काम करते हैं, रील नहीं बनाते

नहीं चलेगी 'झूठ की दुकान', संपूर्ण रेल नेटवर्क पर 'कवच' लगाने के लिए दिन रात एक कर देंगे: वैष्णव

नई दिल्ली (भाषा)। रेलवे की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर 'झूठ की दुकान' चलाने का आरोप लगाते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि रेलवे में सुरक्षा की 'कवच' प्रणाली के आधुनिक संस्करण को देश के प्रत्येक किलोमीटर रेल नेटवर्क पर लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर लोकसभा में पिछले दो दिन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने यह भी बताया कि रेलगाड़ियों में सामान्य डिब्बों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए करीब ढाई हजार सामान्य कोच के उत्पादन का विचार सरकार ने किया है, 50 और अमृत भारत ट्रेन के निर्माण का फैसला लिया गया है तथा कम दूरी वाले दो शहरों के बीच वंदे मेट्रो चलाई जाएंगी।

कांग्रेस के 58 साल के कार्यकाल में एक भी किमी एटीपी नहीं लग पाई

रेल मंत्री के जवाब के बाद सदन ने रेल मंत्रालय की 7.89 लाख करोड़ रुपये की अनुदान मांगों को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी।

उन्होंने कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दस साल के कार्यकाल में रेलवे सुरक्षा के लिए अपेक्षा अनुरूप काम नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा, "हम मानते हैं कि कांग्रेस के समय रेलवे में कई प्रयोग किए गए, लेकिन जिस संवेदना के साथ या जिस भावना से काम होना चाहिए, नहीं किया गया।" उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस के 58 साल के कार्यकाल में और 2014 से पहले तक भारत के एक भी किलोमीटर रेलवे नेटवर्क पर स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली नहीं लग पाई।

रास में उठी चुनाव लड़ने की आयु सीमा 25 से 21 वर्ष करने की मांग

नई दिल्ली (भाषा)। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष किए जाने की मांग की गई। वर्तमान में यह 25 वर्ष है। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने इस मामले को उठाते हुए हवाला दिया कि भारत एक युवा देश है लेकिन इस अनुपात में युवा राजनीति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, "भारत सबसे युवा देशों में

आता है। हमारे देश की औसत आयु 29 वर्ष है। देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। हमारी आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। लेकिन क्या हमारे चुने हुए प्रतिनिधि भी इतने युवा हैं?" चड्ढा ने कहा कि पहली लोकसभा में चुने गए 26 प्रतिशत लोग 40 वर्ष से कम आयु के थे जबकि 17वीं लोकसभा में मात्र 12 प्रतिशत सांसद ही 40 वर्ष से कम आयु के थे। उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे देश जवान हो रहा है, हमारे चुने हुए प्रतिनिधि उस जवानी से काफी दूर होते जा रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

समय रहते गौर किया गया होता तो टाली जा सकती थी कोचिंग में बच्चों की मौत

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जब हादसे की पृष्ठभूमि बन रही होती है, तब सरकारी महकमे नींद में खोए रहते हैं या फिर किसी परोक्ष कारण से उसे नजरअंदाज करते रहते हैं और जब कोई बड़ी त्रासद घटना हो जाती है तब वे जरूरत से ज्यादा सक्रिय दिखते हैं। अफसोसनाक यह भी है कि जो इमारतें अपनी बुनियाद में ही हादसे की जमीन साथ लिए होती हैं, उनके निर्माण के समय या फिर बाद में उनमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर संचालित गतिविधियों की इजाजत दी जाती है और जब वहां हुए हादसे में जानमाल के नुकसान का मामला तूल पकड़ लेता है तब आनन-फानन में दिशाहीन कार्रवाई करने का दिखावा किया जाता है।

हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार की नीतियों की सख्त आलोचना की

यह एक तरह से गलत तरीके से या लेनदेन आधारित लाभ पहुंचाने की अघोषित व्यवस्था है, जिसके नतीजे में कोई त्रासदी सामने आती है! राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बरसात का पानी भर जाने की वजह से भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले तीन विद्यार्थियों की मौत की घटना इसी का उदाहरण है। इस मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की नीतियों की सख्त आलोचना की और कहा कि आप बहुमंजिला इमारतों की मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन नाली की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जब 'रेवड़ी बांटने की संस्कृति' के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियां होना स्वाभाविक है।

जाहिर है, अदालत ने एक तरह से समस्या के कुछ बुनियादी कारणों की बात की, जिन पर अगर समय रहते गौर किया गया होता तो शायद हादसे की नौबत नहीं आती और न विद्यार्थियों की जान जाती। यह छिपा नहीं है कि जब इमारतें बन रही होती हैं, तब उसमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर भी अपनी सुविधा के मुताबिक निर्माण करा लिया जाता है। इस बात की फिक्र नहीं की जाती है कि यही लापरवाही भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी की वजह बन सकती है। इसमें सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी मिलीभगत या अनदेखी होती है, जो ऐसे निर्माणों को रोकते नहीं या फिर कई बार नियमों के विरुद्ध इजाजत दे देते हैं।

ट्रेनें लगातार बेपटरी होने की 11 बड़ी वजहें

देश में ट्रेन एक्सीडेंट्स की एक सीरीज जैसी चल रही है। 2024 के शुरुआती 7 महीने में 7 बड़े ट्रेन एक्सीडेंट्स हुए, इनमें से 4 बार ट्रेन पटरी से उतर गई। इन सभी हादसों में 16 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। लेटेस्ट हादसा 30 जुलाई को हुआ, जब मुंबई-हावड़ा मेल एक मालगाड़ी से टकरा गई, जो पहले से डिरेल हुई थी।

भारत में लगातार ट्रेन के पटरी से उतरने की 11 बड़ी वजहें हैं...

1. रेलवे ट्रैक की प्रॉपर निगरानी नहीं की गई

ट्रैक के मेंटेनेंस और इंस्पेक्शन के लिए रेलवे का 'परमानेंट वे स्टाफ' जिम्मेदार होता है। ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (TRC) वो वाहन होते हैं, जिनसे वो रेलवे ट्रैक की जांच करते हैं। मैनुअल के हिसाब से जिन रूट्स पर ज्यादा स्पीड वाली ट्रेनें गुजरती हैं उन पर हर दो महीने में ट्रैक की जांच करने के निर्देश हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तय समय में रेलवे के सभी जोन में कुल 350 इंस्पेक्शन किए जाने थे। इनमें से सिर्फ 169 इंस्पेक्शन हुए। इसी तरह फुट इंस्पेक्शन यानी पैदल ट्रैक की जांच भी जरूरत के मुताबिक नहीं हुई।

कई जोन में लंबी दूरी तक ट्रैक का इंस्पेक्शन जरूरत के मुताबिक नहीं हुआ। मसलन- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) जोन में 2,348 किमी रूट पर किसी अधिकारी ने कोई जांच ही नहीं की। ये ट्रैक पूरे भारतीय रेलवे के रूट का 4% बैठता है।

इसके अलावा कई इंस्पेक्शन का डेटा ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) के पोर्टल पर नहीं डाला गया। जबकि कई जोन में TMS पोर्टल काम ही नहीं कर रहा था।

ट्रैक की प्रॉपर देख-रेख न करना डिरेलमेंट की एक बड़ी वजह है। जैसे- फरवरी 2019 में जब सीमांचल एक्सप्रेस डिरेल हुई, तो जांच में सामने आया कि 4 महीने से ट्रैक की जांच नहीं हुई थी।

2. ट्रैक मेंटेनेंस के लिए 36% तक स्टाफ की कमी

हर साल ट्रैक का रखरखाव करने वाले स्टाफ की कमी पूरी करने के निर्देश रेलवे बोर्ड देता है। ट्रैक मेंटेनेंस के लिए रेलवे में तैनात स्टाफ के अलावा बाहर से आउटसोर्सिंग स्टाफ भी लाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जरूरत भर आउटसोर्सिंग नहीं की गई।

ट्रैक मेंटेनेंस के लिए जिम्मेदार सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में अलग-अलग जगहों पर 9% से 36% तक स्टाफ की कमी थी।

3. ट्रैक मेंटेनेंस मशीन का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ

रेलवे ट्रैक पर लगातार काम चलने के कारण मैन्युअल मेंटेनेंस के बजाय ट्रैक मशीन के इस्तेमाल की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2017 से 2021 तक 517 ट्रैक मशीनों को मेंटेनेंस के काम पर लगाया गया था।

इन मशीनों को कुल 54,820 दिनों का काम करना था, लेकिन इसमें से 1,20,135 मशीन डे पर मशीनें खाली रहीं, मतलब इतने दिन का काम नहीं हो पाया।

4. सभी हल्के और पुराने स्लीपर्स की जगह चौड़े और भारी कंक्रीट स्लीपर्स नहीं लगे

आपने रेलवे ट्रैक पर सीमेंट जैसे कंक्रीट के पटरे देखे होंगे। ट्रैक की सुरक्षा के लिए रेल की पटरियां इन्हीं स्लीपर्स पर बिछाई जाती हैं। रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (RDSO) ने रेलवे के लिए नए ज्यादा चौड़े और ज्यादा भारी प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर बनाए थे। इनको RT-8527 स्लीपर्स कहा जाता है।

रेलवे बोर्ड ने 2019 से 2 किलोमीटर से ज्यादा लंबाई वाले पटरियों के टुकड़ों पर ये स्लीपर्स बिछाने का अप्रूवल दिया था।

5. पटरियां जोड़ने के लिए FB वेल्डिंग का कम इस्तेमाल

पटरियों के टुकड़ों में वेल्डिंग करके सैकड़ों हजारों किलोमीटर का ट्रैक बनाया जाता है। भारतीय रेलवे में दो तरीकों से पटरी जोड़ी जाती है। एल्यूमिनो थर्मिट (AT) वेल्डिंग और फ्लैश बट (FB) वेल्डिंग। AT वेल्डिंग एक मैन्युअल प्रोसेस है, जिसमें पटरियों के बीच का गैप भरने के लिए पिघले हुए लोहे का इस्तेमाल किया जाता है। इससे बहुत मजबूत और भरोसेमंद जोड़ नहीं बनते।

वहीं FB वेल्डिंग में ऑटोमेटेड ट्रैक-लेइंग मशीन का इस्तेमाल होता है। ये भारी-भरकम मशीन ट्रैक के ऊपर चलती रहती है। इसमें दो पटरियों को जोड़ने के लिए बिजली का इस्तेमाल होता है। पटरी जोड़ने का ये तरीका ज्यादा भरोसेमंद माना जाता है।

6. ट्रैक में गड़बड़ी की अल्ट्रासोनिक जांच में कमी

रेलवे ट्रैक में किसी गड़बड़ी या जॉइंट में कमी की जांच के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन टेस्टिंग (USFD) की जाती है। इसके तहत USFD मशीन दोनों पटरियों पर चलाई जाती है, जो ट्रैक में किसी भी तरह की गड़बड़ी को पकड़ लेती है।

साल 2017 से 2021 के दौरान अलग-अलग रेलवे जोन में USFD टेस्टिंग में कमी देखी गई। कई जोन में 50 से 100% तक टेस्टिंग की कमी पकड़ में आई। रेलवे प्रशासन ने इसके पीछे मशीन या ऑपरेटर की कमी जैसी वजहें बताईं।

7. अधिकारियों की ट्रेनिंग और मेडिकल जांच में कमी

साल 2017 से 2021 तक ट्रैक मेंटेनेंस के कामों से जुड़े कुल 794 अधिकारियों को ट्रेनिंग नहीं दी गई। इनमें से 240 अधिकारी ऐसे थे जिन्हें नौकरी की शुरुआत में मिलने वाली ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। ट्रेनिंग में कमी की सबसे बड़ी वजह कोरोना महामारी का दौर था।

रेलवे के मैन्युअल के हिसाब से ये जरूरी है कि रेलवे का स्टाफ किसी बीमारी या शारीरिक दिक्कत के चलते काम करने के लिए अनफिट नहीं होना चाहिए।

8. ट्रैक मेंटेनेंस स्टाफ को काम से जुड़ी बेसिक सहूलियतें भी नहीं मिलीं

रिपोर्ट में फील्ड स्टाफ के 921 लोगों के सर्वे से पता चला कि ट्रैक मेंटेनेंस का काम करने वाले ज्यादातर लोगों को काम करने के दौरान कई तरह के खतरे थे।

ट्रैक पर रोशनी और खतरा भांपने वाली रक्षक डिवाइस की जरूरत की बात सामने आई। ट्रैक मेंटेनेंस स्टाफ के लिए वॉकी-टॉकी डिवाइस की जरूरत बताई गई।

रेलवे के कर्मचारियों ने सर्वे में बताया कि उनकी टॉर्च, जूते और दस्ताने बेकार क्वालिटी के हैं। GPS सही से काम नहीं करता है। काम के दौरान सेफ्टी हेलमेट भी नहीं दिए गए थे।

कर्मचारियों ने काम करने के दौरान सेफ्टी इक्विपमेंट, बाड़ेबंदी, कम्युनिकेशन और टूल्स वगैरह से जुड़ी कई कमियां बताईं।

9. ट्रेन के पहिए में डिफेक्ट, कोच मेंटेनेंस में कमी

ट्रेन के लगातार चलने की वजह से ट्रेन का व्हील और पटरी लगातार घिसती है। इसलिए समय-समय पर ट्रेन के पहिए और ट्रैक को बदला जाता है।

CAG के मुताबिक, हादसों की कुल 173 रिपोर्ट्स में से 57 में पाया गया कि ट्रेन के पहिए का डायमीटर यानी व्यास सही नहीं था, साथ ही कोचों में भी डिफेक्ट थे। इसके चलते 6 हादसे ऐसे हुए जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ।

42 मामलों में ट्रेन के कोच में कई और कमियां थीं जिसके चलते हुए 8 हादसों में लोगों की जान गई, जबकि 43 अन्य मामलों में कोचों का मेंटेनेंस ठीक से नहीं किया गया था, जिसके चलते 3 हादसों में लोगों की जान गई।

10. लोको पायलट ने तेज स्पीड से ट्रेन चलाई

रिपोर्ट के मुताबिक, कुल 154 मामले ऐसे थे जिनमें गलत तरीके से या तेज स्पीड से गाड़ी चलाने या ब्रेक लगाने में गड़बड़ी के चलते हादसे हुए। इनमें से 144 मामलों में लोको पायलट की गलती थी।

5 मामलों में गलत तरीके से ब्रेक लगाई गई थी। इसके चलते कुल 18 हादसे ऐसे हुए जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ।

11. गलत सिग्नल, शंटिंग और स्टेशन मास्टर की गलती

ट्रेन अपने सफर के दौरान, स्टेशन मास्टर और ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट के सिग्नल पर चलती या रुकती है। ट्रेन को रोकने और चलने के लिए शंटिंग की जाती है। ट्रेन को दिए जाने वाले सिग्नल में जरा सी चूक हो जाए तो ट्रेन अनियंत्रित हो सकती है।

ट्रेन डिरेल होने के 261 मामलों में ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट की गलती सामने आई। कुल 224 मामले ऐसे थे जिनमें शंटिंग ऑपरेशन ठीक से नहीं हुआ, जबकि बाकी 37 मामलों में स्टेशन मास्टर की लापरवाही सामने आई।

गलत शंटिंग की वजह से साल 2017 से 2021 के बीच 13 ऐसे हादसे हुए जिनमें जानमाल का नुकसान हुआ।

स्टेशन मास्टर की लापरवाही के चलते दो हादसों में लोगों को जानमाल का नुकसान हुआ।

तकनीकी दिक्कत या खराब विजिबिलिटी के चलते 20 हादसे हुए, इनमें से 7 में जानमाल का नुकसान हुआ।

स्तनपान सप्ताह

डॉ. मोनिका शर्मा

सजगता और सहयोगी परिवेश आवश्यक

शिशु के स्वास्थ्य और जीवन रक्षा के लिए स्तनपान सबसे आवश्यक और प्रभावी तरीकों में से एक है। हर वर्ष स्तनपान सप्ताह के दौरान वैश्विक स्तर पर स्तनपान को लेकर जागरूकता लाने और इसका महत्व समझाने के प्रयास किए जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और कई स्वास्थ्य मंत्रालयों तथा नागरिक समाज सहयोगियों की इस साझी कोशिश के तहत हर वर्ष अगस्त के पहले सप्ताह में लोगों को सजग करने के लिए कई आयोजन किए जाते हैं। मातृत्व और शिशु के पोषण के जुड़ा यह जागरूकता का उत्सव 120 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है। पहली बार 1992 में मनाया गया यह सप्ताह हर वर्ष एक विशेष विषय को संदर्भित करते हुए स्तनपान के फ़ायदों को लेकर जागरूकता लाने के साथ ही समर्थन और प्रोत्साहन देते हुए हर जगह माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य की बेहतरी सुनिश्चित करने से जुड़ा है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2024 का विषय है अंतर को कम करना- सभी के लिए स्तनपान सहायता' रखा गया है ।

दरअसल, स्तनपान मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। बच्चे के शरीर को पोषण देने वाली ब्रेस्ट फीडिंग मां के शरीर को भी कई व्याधियों से बचाती है। इतना ही नहीं, मनोवैज्ञानिक रूप से भी मां और बच्चे दोनों को इसका लाभ मिलता है। स्तनपान से मां-बच्चे के बीच संबंध मजबूत होता है। स्तनपान से शिशु की बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मानसिक और शारीरिक सेहत से जुड़े इन्हीं फ़ायदों के बारे में जन-जागरुकता बढ़ाने के लिए सप्ताह भर कुछ विशेष आयोजन किए जाते हैं। असल में मां के दूध में कैलोरी, विटामिन, खनिज जैसे कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही बच्चों के समग्र विकास की नींव मजबूत करते हैं। वर्ष-2024 के विषय के अनुसार अभियान के तहत स्तनपान कराने वाली माताओं की स्तनपान यात्रा और विविधता का जश्न मनाया जाएगा। स्तनपान को लेकर माताओं के अनुभवों और अनुभूतियों की चर्चा जाएगी। साथ ही इस पहलू पर भी जागरूकता लाने के प्रयास किए जाएंगे कि किस तरह से परिवार, समाज, समुदाय और स्वास्थ्य कार्यकर्ता हर स्तनपान कराने वाली मां के लिए सहयोगी बन सकते हैं। किस तरह पूरा परिवेश ब्रेस्ट फीडिंग की यात्रा को सहज बनाने में मददगार बन सकता है।

विचारणीय है कि परंपरागत रूप से भारतीय परिवारों में स्तनपान को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। स्तनपान कराने वाली माताओं के प्रति अनकहा-सा सहयोगी व्यवहार सदा ही रहा है। आज वैज्ञानिक अध्ययनों से पुख्ता होती यह समझ हमेशा रही है कि स्तनपान शिशुओं के संरक्षण और संवर्धन का काम तो करता ही है, बच्चे और मां दोनों की रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता भी बढ़ाता है। माताओं में सेहत की बेहतरी से जुड़े बहुत से हार्मोन्स में सकारात्मक बदलाव लाता है। तकलीफदेह है कि आधुनिकता के फेर में बहुत महिलाएं ब्रेस्ट फीडिंग से दूसरी बना रही हैं। बहुत सी कामकाजी महिलाएं भी बच्चों को स्तनपान नहीं करवा पातीं। ऐसी स्थितियां बच्चों ही नहीं माताओं का स्वास्थ्य भी बिगाड़ रही हैं। 2 साल की उम्र तक स्तनपान कराने से बच्चे कुपोषण और बहुत सी आम बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं। डेनमार्क में कोपनहेगन विश्वविद्यालय स्थित जीवन विज्ञान संकाय के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा 9, 18 और 36 माह के 330 बच्चों के आहार और स्वास्थ्य को लेकर हुए विस्तृत अध्ययन में सामने आया कि स्तनपान भविष्य में शिशु को मोटापे और मधुमेह जैसे खतरों से बचाता है। वहीं माताएं भी कई तरह की आम और गंभीर व्याधियों से बची रहती हैं। ना केवल प्रसवोत्तर स्वास्थ्य लाभ में तेजी आती है बल्कि स्तन और ओवेरियन क्रैंसर का जोखिम भी कम होता है। इसके साथ ही मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग से भी बचाव होता है। बच्चे से जुड़ाव की अनुभूति पोस्टपार्टम डिप्रेशन यानी प्रसवोत्तर अवसाद से दूर रखती है। समझना जरूरी है कि ब्रेस्ट फीडिंग बच्चे के आहार से ही नहीं मां-बच्चे के भावनात्मक पक्ष से जुड़ी क्रिया भी है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी सभी शिशुओं को कम से कम 2 साल तक स्तनपान कराने की सलाह दी गई है। ऐसे में स्वास्थ्य सहेजने और स्नेहमयी जुड़ाव को पोसने हेतु स्तनपान के प्रति माताओं की सजगता और समग्र परिवेश का सहयोगी बनना आवश्यक है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार, स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वतंत्रता दिवस स्व नियंत्रण का पर्व

संकलित

दर्शन

स्वाधीनता अर्थात स्व के अधीन होने का पर्व। स्व नियंत्रण का पर्व, जहां पर स्व की इच्छाओं की प्रधानता हो, स्वयं पर स्वयं का नियंत्रण हो। वास्तव में भारत पर भारत का ही नियंत्रण हो सकता है। इस विशाल, समृद्ध, संस्कार और संस्कृति से युक्त राष्ट्र पर नियंत्रण करने की कोशिश तो बहुत से राष्ट्रों द्वारा की गई, परंतु भारत विशाल हृदय और समृद्ध विरासत के साथ सदैव खड़ा रहा। हिमालय जैसे विशाल हृदय, गंगा जैसी पावनता व वेदों के विशाल ज्ञान के भंडार के साथ जीवंत व जाग्रत बना रहा और आगे भी रहेगा। भारत ने महाभारत देखी, भारत ने राम-भरत का प्रेम देखा, कृष्ण-सुदामा की मित्रता देखी। वर्तमान भारत विश्व पटल पर अपना उत्कृष्ट स्थान रखता है। अब हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ें, जहां नक्शे में हर भारतीय के हस्ताक्षर हों। ऐसा भारत, जहां भारत माता की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले और धरती के गर्भ से अन्न पैदा करने के लिए पसीना बहाने वालों के लिए उपयुक्त स्थान हो। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं, 'सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम, आओ यहां अजातशत्रु बन, सबको मित्र बना लें हम। भारत माता का मंदिर यह, समता का संवाद जहां, सबका शिव कल्याण यहां है, पावें सभी प्रसाद यहां।' ऐसे भाव जहां हों, वह राष्ट्र केवल गौरव का अधिकारी है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इसीलिए कहा, 'भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

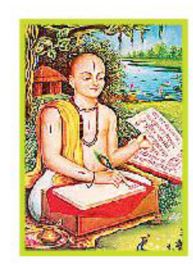

संकलित

प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती

एक अगस्त से नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती की जा रही है। इस दिन से अगर कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पुलिस पकड़ लेती है तो इसके लिए सख्त कानून का इस्तेमाल किया जाएगा। इस कानून के तहत लगभग 25 हजार जुर्माना और लगभग तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। हालांकि सरकार और प्रशासन ने इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाए, स्कूलों में इसके लिए बच्चों को जागरूक भी किया और स्कूलों ने विद्यार्थियों के माता-पिता को इसके लिए नोटिस भी भेजे हैं कि वो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। दोपहिया वाहन एक्सीडेंट का आंकड़ा भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दोपहिया वाहन, मोटरसाइकिल, स्कूटर या फिर एक्टिवा चलाती समय हैल्मेट का प्रयोग अपनी जान की सुरक्षा के लिए जरूर करना चाहिए, न कि चालान के डर से। *- प्रीतिम सिंह, धमतरी*

करंट अफेयर

बांग्लादेश ने जमात के छात्र शाखा पर लगाया प्रतिबंध

बांग्लादेश ने देशव्यापी अशांति के बाद जन सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे का हवाला देते हुए आतंकवाद रोधी कानून के तहत जमात-ए-इस्लामी और इसकी छात्र शाखा 'इस्लामी छात्र शिबिर' पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में इस्लामिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख सहयोगी है। बांग्लादेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर देशभर में हुए छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। सरकार ने आरोप लगाया कि जमात-ए-इस्लामी उस आंदोलन का फायदा उठा रही है, जिसमें कम से कम 150 लोग मारे गए। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाले 14-दलों गठबंधन की बैठक के बाद हुआ है। इस बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि जमात को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। जमात पर प्रतिबंध लगाने का हालिया निर्णय 1972 में 'राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धर्म का दुरुपयोग' करने के कारण लगाए गए प्रारंभिक प्रतिबंध के 50 वर्ष बाद आया है।

ऑफ बीट

साल दर साल दुनिया के ग्लेशियर पीछे हट रहे

जैसे-जैसे वैश्विक तापमान साल-दर-साल बढ़ रहा है, दुनिया के ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं। बर्फ की ये नदियाँ और यहां तक कि ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका को ढकने वाली बड़ी बर्फ की चादरें पिघल रही हैं - और पिघलने की गति तेज हो रही है। केवल कुछ ही प्रजातियाँ होती हैं जो ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों में रह सकती हैं, बर्फ के कीड़ों से लेकर बर्फ के पिस्सू और बर्फ के शैवाल तक। जब बर्फ पिघलती है तो इन प्रजातियों को उसके साथ पीछे हटना पड़ता है। लेकिन उन क्षेत्रों का क्या होता है जो ग्लेशियर पीछे छोड़ जाते हैं? क्या जीवन आगे बढ़ता है? शोधकर्ताओं की हमारी अंतरराष्ट्रीय टीम ने पिछला दशक इस बात की जांच में बिताया है कि जब ग्लेशियर पर्वत श्रृंखलाओं की ओर पीछे हटते हैं तो नई खुली जमीन का क्या होता है। हमने ट्रैक किया कि 46 पीछे हटने वाले ग्लेशियरों पर क्या हो रहा है: हिमालय से लेकर एंडीज़ तक, स्वालबार्ड के आर्कटिक द्वीपसमूह से लेकर दक्षिण में न्यूजीलैंड तक, और यहां तक कि मैक्सिको में उष्णकटिबंधीय ग्लेशियरों तक। हमारे नए शोध से पता चला है कि जीवन इन नए आवासों में सूक्ष्मजीवों से लेकर हार्डी लाइकेन और काई तक, घास जैसी अग्रणी प्रजातियों तक तेजी से बसने के लिए आगे बढ़ता है।

ट्रेंड

सिस्टम क्यों नहीं बनाया

2 करोड़ लोग रोज रेल यात्रा करते हैं, विपक्ष झूठ फैलाकर उनके मन में डर बिठाना चाहता है। 12 लाख कर्मचारी रेलवे को सुचारू रूप से चलाने के लिए मेहनत करते हैं। विपक्ष 3 दुर्घटनाओं को मुद्दा बना रहा है, कांग्रेस ने 58 साल में रेल दुर्घटना रोकने के लिए सिस्टम क्यों नहीं बनाया।

-अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री

पुरानी संसद अच्छी

इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चले, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है।

-अखिलेश यादव, सपा नेता

बीमारी का इलाज

जाति व्यवस्था अगर बीमारी है तो जातिगत जनगणना इसके इलाज के लिए उठाया हुआ कदम हो सकता है। यह बेतुका है कि जाति व्यवस्था में विश्वास न करने और जनगणना का समर्थन करने के बीच विरोधाभास है। मेरी स्थिति जाति व्यवस्था को दृढ़ता से अस्वीकार करने की है।

-योगेंद्र यादव, संस्थापक स्वराज इंडिया

बहुत आनंद आया

लंदन में अपने भारतीय समुदाय के साथ प्रार्थना और जप करने में बहुत आनंद आया। वैसे यह मेरी आध्यात्मिक आत्मा की जरूरत भी है। घर से दूर, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे मैं घर में ही हूं।

-परिणीति चोपड़ा, अभिनेत्री

रॉयल पत्रिका

एयरपोर्ट पर पानी भरने के बाद परेशान यात्री।

जयपुर एयरपोर्ट के पोर्च एरिया में भरा पानी, यात्री परेशान

जयपुर। जयपुर में तेज बारिश के कारण जयपुर एयरपोर्ट का पोर्च एरिया घुटनों तक और अराइवल हॉल में पानी भर गया। इसके चलते यात्रियों को पानी में भीगकर बिल्डिंग में प्रवेश करना पड़ा। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित मौके पर पहुंचे और मड पंप से पानी को बाहर निकालने के निर्देश दिए। एयरपोर्ट स्टाफ ने वाइपर से पानी को बाहर निकालने का प्रयास किया। एयरपोर्ट के बेसमेंट में भी काफी अधिक पानी भर गया है, जिसे निकालने के लिए 2 पंप का उपयोग किया जा रहा है। बारिश के कारण इंडिगो की जयपुर से चेन्नई, इंडिगो की बैंगलुरु की दो फ्लाइट, दिल्ली व अन्य की करीब आधा दर्जन से अधिक फ्लाइट देरी से रवना हुई।

जयपुर कलक्टर राजपुरोहित मौके पर।

यहां भी भरा पानी: वहीं गांधीनगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म में भी पानी भर गया था। इससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित नहीं हुआ। वहीं बगरु के पास पानी के तेज बहाव के कारण रोडवेज की दो बसें खराब हो गई थी, जिन्हें क्रेन की सहायता से हटाकर यात्रियों को दूसरी बस से भेजा गया।

बारिश में बेपटरी हुई बिजली आपूर्ति : राजधानी में तेज बरसात ने बिजली विभाग के सिस्टम की एक बार फिर से पोल खोल दी। बुधवार देर रात बरसात की शुरुआत के साथ ही बिजली की दिक्कतें शहर भर में सामने आने लगी। सांगानेर, प्रतापनगर, जामडोली, भांकरोटा, झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, मानसरोवर, परकोटा, मुरलीपुरा, विद्याधर नगर, सीकर रोड, ढेर का बालाजी के अलावा कई अन्य इलाकों में बिजली गुल होने और बार बार ट्रिपिंग होने की शिकायतें सामने आई।

दिया ने पीड़ित परिवार को बंधाया ढाढ़स

उपमुख्यमंत्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री विधायक दिया कुमारी ने वीकेआई इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित ध्वज नगर में बिहार के आरा के मूल निवासी 23 वर्षीय कमल शाह, 19 वर्षीय पूजा सैनी और 6 वर्षीय पूर्वी सैनी की वर्षा जनित हादसे में मौत पर गहरा दुख जताया है।

गुरुवार तड़के घटना की सूचना मिलते ही दिया कुमारी ने नगर निगम की टीमों को पंप और मशीनों के साथ घटनास्थल पर भिजवाया और पानी की निकासी के साथ-साथ बचाव व राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पंहुचे। दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होंने घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाही करते हुए पीड़ितों को आपदा राहत कोष से 4-4 लाख और मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। दिया कुमारी ने कांवटिया अस्पताल पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया और उसके बाद घटनास्थल पर पहुंच कर जायजा लिया। उन्होंने कहा कि विद्याधर नगर में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने प्रयास शुरु कर दिए है। नगर निगम के पास पानी के पंपों की कमी को भी पूरा किया जाएगा, जिससे प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक पंप उपलब्ध हो सकें।

पीड़ित परिवार के सदस्यों से मिलती उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी।

रहवासियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

वीकेआई एरिया में बेसमेंट में हुए हादसे के बाद नगर निगम जयपुर ग्रेटर ने उस क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आंकेडा डूंगर में ठहराने के लिए व्यवस्था की गई। इसके लिए 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। यह टीम 3 पारियों में कार्य करेगी। मुरलीपुरा जोन उपायुक्त रेखा मीणा ने रहवासियों को समझाइश की कि भारी बारिश को देखते हुए कोई भी जनहानि ना हो इसके लिए आंकेडा डूगर स्थित स्कूल में रहने एवं खाने पीने की व्यवस्था की गई है।

आईसीयू, वार्डो तक में घुसा पानी।

एसएमएस अस्पताल में पानी-पानी

जयपुर। जयपुर में बुधवार देर रात से जारी बारिश बारिश का दौर रिमझिम बारिश के रूप में गुरुवार देर रात तक जारी रहा। इसके नुकसान भी अब सामने आ रहे हैं। बुधवार रातभर चली बारिश के बीच एसएमएस अस्पताल में भी चारों ओर पानी ही पानी भर गया। अस्पताल के गलियारे, वार्ड, आइसीयू सहित अन्य जगहों पर पानी भरा हुआ है। अस्पताल के आइसीयू में फॉल्स सिलिंग गिर गई है। नॉर्थ और साउथ विंग के बेसमेंट में पानी भर गया है। मड पंप की सहायता से इस पानी को निकाला गया लेकिन गुरुवार रा त को फिर से बारिश का दौर शुरू हो गया। ऐसे में पानी फिर से कई जगहों पर इकट्ठा हो गया है। वहीं सेठिया आईसीयू और न्यू मेडिकल आईसीयू में भी पानी आ गया है। चरक भवन से लेकर कॉर्डियोलॉजी टावर तक पानी का दरिया बहनिकला। नगर निगम का सीवरेज जाम होने के चलते भी चारों ओर पानी-पानी ही पानी भर गया।

गलियारों और रास्तों में डेढ़ फीट तक भरा पानी

ऐसे में अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीज, डॉक्टर्स, स्टाफ और तीमारदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं पानी भरने के अस्पताल में अस्पताल में भर्ती मरीजों को संक्रमण का भी खतरा पैदा हो गया है।

निगम ग्रेटर आयुक्त व महापौर ने किया शहर का दौरा

जयपुर। शहर में हुई भारी बारिश से आमजन को राहत प्रदान करने के लिए नगर निगम जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर एवं आयुक्त रूकमणि रियाड ने गुरुवार को अधिकारियों की टीम के साथ ही शहर का दौरा किया।

महापौर एवं आयुक्त ने एयरपोर्ट रोड, जवाहर सर्किल, मालवीय नगर फ्लड कंट्रोल, मानसरोवर फ्लड कंट्रोल, महारानी फार्म स्थित दुर्गापुरा द्रव्यवती नदी, जेपी फाटक अंडरपास, वीकेआई फ्लड कंट्रोल रूम सहित शहर के विभिन्न स्थानों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यकतानुसार बेरिकेडिग करने, जलभराव वाले स्थानों पर जल निकासी, जेपी फाटक पर बेरिकेडिग करने एवं आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर आमजन द्वारा प्राप्त हो रही जल भराव, मड पंप, मिट्टी के कट्टों व अन्य समस्याओं के संबंध में जानकारी लेकर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुचारू रखने के निर्देश दिए।

राजधानी में बारिश का दौर जारी, गुलाबी शहर सहित ग्रामीण इलाको में झमाझम बारिश

राजधानी सहित सम्पूर्ण ग्रामीण इलाको में बीती रात से ही रुक रुक कर बारिश का दौर जारी रहा,आज झमाझम बारिश के चलते सड़कें बनी दरिया, वहीं कॉलोनियों में भी लगातार हो रहा जलभराव, शहर के लगभग सभी अंडरपासों में भरा लबालब पानी,

जयपुर ग्रामीण में कानोता बांध हुआ लबालब,बांध पर चादर चलने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर, बुधवार रात हुई बारिश से बांध में आया 6 इंच पानी, दिनभर बड़ी संख्या में लोग कानोता बांध देखने को पहुंचे, चादर चलने से ढूंढ नदी में बहेगा पानी, वर्ष 2023 में पहली बार चली थी बांध पर चादर, पिछले वर्ष चादर चलने से क्षेत्र में बढ़ा था वाटर लेवल, बांध की भराव क्षमता है 17 फीट है। बांध 2.59 किलोमीटर लंबाई और 402 वर्गमीटर कैचमेट एरिया है बांध का, चादर चलने से सांभरिया, बराला, अचलपुरा समेत, दो दर्जन से अधिक गांवों को होगा फायदा।

साथ ही बारिश के कारण प्रशासन की भी पोल खुलती हुई नजर आई। कई इलाकों में सड़के धंसी तो कई नाले टूटे,ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से फेल होते हुए नजर आए, वही हेरिटेज नगर निगम अधिकारी फील्ड में लगातार करते नजर आए निरीक्षण, लगातार हो रही बारिश से आमजन को परेशानी नहीं हो इसके लिए कर रहे मॉनिटरिंग,

निगम के जोन उपायुक्त, XEN, JEN सहित अन्य कर्मचारी फील्ड में मौजूद, बारिश में संभावित परेशानी को देखते हुए किया अलग अलग इलाकों का दौरा

फिलहाल भारी बारिश को देखते हुए पुलिस के जवान भी मुस्तैदी से अपना कर्तव्य अदा करते नजर आए

ख्वाजा गरीब नवाज़ अमन कमेटी की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह

-मेधावी विद्यार्थी,सेना सेवानिवृत सैनिक, पत्रकारों और वीरांगना का किया सम्मान

-पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे

जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में ख्वाजा गरीब नवाज़ अमन कमेटी की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहा बड़ी संख्याओं में श्रोता पहुंचे,वही सम्मान समारोह कार्यक्रम में कांग्रेस के पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और मेधावी विद्यार्थियो, सेना के सेवानिवृत सैनिक ,वीरांगनाओ और पत्रकारों को सम्मानित किया गया,

साथ ही सामाजिक,राजनीतिक एवं समाज के दूसरे मुद्दों को लेकर समाज सचेत करने में अहम भूमिका को अदा करने के लिए रॉयल पत्रिका संपादक डॉ. मुन्ना खान एवं कई अन्य पत्रकारों को ख्वाजा गरीब नवाज कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया,

वही श्रोताओ को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा 36 कौम की बिरादरी को साथ लेकर चल रही है कांग्रेस पार्टी, वही बेबाक अंदाज में कहा जो डर गया समझो मर गया, जीवन में हमेशा सच्चाई का साथ दीजिए,और निडरता से जीवन जिए, कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ खानू खान बुधवाली,विधायक अमीन कागजी,विधायक रफीक खान,विधायक अभिमन्यु पुनिया,कांग्रेस नेता विक्रम सिंह शेखावत,विधायक हाकम अली,विधायक पूसाराम चौधरी, पूर्व IAS असफाक हुसैन, समाजसेवी शब्बीर शेख सहित अन्य कार्यकर्ता व पधाधिकारी मोजूद रहे, इस अवसर पर अमन कमेटी के महासचिव अब्दुल अय्यूब गौरी, सचिव गुलाम रसूल मंसूरी, संयोजक हाजी रसूल खान खोखर, संरक्षक अयाज मोहम्मद, सहसंरक्षक हाजी मकसूद खान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अकबर खान कसली, उपाध्यक्ष मुराद खान रॉयल, उपाध्यक्ष रफीक खान कुचामन, कोषाध्यक्ष अलादीन खान, सहकोषाध्यक्ष इब्राहिम खान,प्रवक्ता दौलत खान सुद्रासन एवं कमेटी के ज्यादातर सदस्य मौजूद रहे। गरीब नवाज़ कमेटी के अध्यक्ष फारुक खान गनेड़ी ने आए हुए सभी अतिथियो का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

घाटगेट कब्रिस्तान का जिम्मेदार कौन ?

राजधानी में घाटगेट स्थित कब्रिस्तान में आवारा पशुओ और कुत्तों का आतंक देखने को मिल रहा है।जहा कुते कब्रों को खोदते हुए नजर आ रहे है।तो कही आवारा पशु गाय भी कब्रों को क्षतिग्रस्त करती नजर आ रही है। जबकि आपको बता दे राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड की ओर से कब्रिस्तान कमेटी कार्यरत है। लेकिन कही ना कही कमेटी की लापरवाही,नजर अंदाजी,कब्रों को नुकसान पहुंचाती नजर आ रही है। आखिर अपना कार्य करने के लिए मौन क्यों नजर आ रही है कमेटी, कागज़ों में कमेटी गठित होने के बाद भी आखिर क्यों धरातल पर कार्य करने को तैयार नहीं है। हाल ही में कुछ समय पहले भी अतिक्रमण को लेकर घाटगेट कब्रिस्तान चर्चाओं में आया था,फिलहाल समय रहते हुए वक्फ बोर्ड ने संज्ञान लिया।और कब्रिस्तान को अतिक्रमण मुक्त किया। वक्फ बोर्ड द्वारा कमेटी बनाने का उद्देश्य है। कब्रिस्तान की देख रेख की जाए किसी भी प्रकार का कब्रिस्तान के भीतर अनेतिक कार्य न हो, ना ही किसी भी प्रकार का कोई अतिक्रमण हो और साफ सफाई की व्यवस्था बनाए रखे। हाल ही में सोशल मीडिया पर भी आवारा पशुओं को लेकर कब्रिस्तान का विडियो वायरल हुआ।लेकिन कमेटी ने फिर भी सक्रियता न दिखाते हुए।अपने कार्य में विफल नजर आई।

क्या राजस्थान वक्फ बोर्ड मामले में संज्ञान ले पाएंगे,

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी की गर्जना

स्थानीय युवाओं को रोज़गार और विकास के लिए उठाई आवाज़

वसीम अकरम

राजस्थान विधानसभा के मौजूदा सत्र में शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने नियम संख्या 295 के तहत एक विशेष उल्लेख करते हुए मल्टी-नेशनल कंपनियों द्वारा स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करने की अहम मांग उठाई। भाटी ने अपने विधानसभा क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे मुख्यधारा से पिछड़ा हुआ बताया, जहां बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है।

उन्होंने कहा, "जिस विधानसभा क्षेत्र का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, वह मूलभूत सुविधाओं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, बिजली, पानी और शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है।"

भाटी ने अपने क्षेत्र के निवासियों की कठिनाइयों को उजागर करते हुए कहा, "पाकिस्तान की सीमा पर 55 डिग्री तापमान में भी हमारे लोग अपने अदम्य साहस और संकल्प के बल पर राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवित रखते हैं। आजादी के 77 वर्ष बाद भी वे सड़कों, पानी, बिजली, शिक्षा, रोजगार, संचार और परिवहन जैसी सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं।"

उन्होंने सदन में बताया कि वर्तमान समय में उनके क्षेत्र में कई नामी कंपनियां सोलर प्लांट स्थापित कर रही हैं, लेकिन इसका फायदा स्थानीय लोगों को न तो रोजगार के रूप में मिल रहा है और न ही उत्पादित बिजली का उपयोग करने के रूप में। "आखिर क्या कसूर है उन वाशिंदों का जो प्रकृति के प्रतिकूल थपेड़ों के साथ-साथ सरकारी उदासीनता के थपेड़े भी झेल रहे हैं?" भाटी ने भावुक होकर सवाल उठाया।

भाटी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इन कंपनियों का सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड भी उन स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंच रहा, जिनकी भूमि, चारागाह और स्वच्छ वायु इन कंपनियों ने छीन ली है। "सूर्य देवता के प्रचंड ताप और लू के थपेड़ों के बीच हमारे लोग प्यासे हैं, शिक्षा के लिए स्कूल नहीं हैं, और जहां हैं, वहां भी एक-एक अध्यापक के भरोसे चल रहे हैं। चिकित्सा सुविधाओं का हाल और भी बुरा है, बिजली का आना त्योहार की तरह हो गया है, और रोजगार के लिए लोग दक्षिणी भारत की ओर पलायन कर रहे हैं," उन्होंने कहा।

भाटी ने सरकार से विनम्र निवेदन किया कि क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने और बाहरी कंपनियों द्वारा संचालित प्लांटों में स्थानीय युवाओं को आवश्यक रूप से रोजगार देने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं। "मैं सरकार से अपील करता हूं कि वे हमारे क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लें और इनका समाधान निकालें ताकि शिव क्षेत्र के लोगों के जीवन में सुधार हो सके," उन्होंने सदन में कहा।

उन्होंने अंत में कहा, "मुझे आशा है कि सरकार मेरी बात को गंभीरता से लेकर शिव क्षेत्र के लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाएगी।" भाटी की इस मांग ने सदन में एक नई बहस को जन्म दिया और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।

न्यूज गैलरी

राकेश बने व्यापार समिति के अध्यक्ष

डीग, रॉयल पत्रिका. श्री जवाहर गंज व्यापार समिति डीग के राकेश खंडेलवाल अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। चुनाव अधिकारी जमुना प्रसाद गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए राकेश खण्डेलवाल व राजपाल सिंह के बीच चुनाव हुए। जिसमें राकेश खंडेलवाल को 40 मत एवं राजपाल सिंह को 19 मत प्राप्त हुए।जहां राकेश खंडेलवाल श्री जवाहर गंज व्यापार समिति के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस मौके पर खण्डेलवाल का व्यापारीयों ने मिठाई खिलाकर एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर गौरव सोनी, पवन, बंगाल, अनिल सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद थे।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से चरमराई सफाई व्यवस्था

केकड़ी, रॉयल पत्रिका. वाल्मीकि समाज को सफाई कर्मचारी के रूप में भर्ती में प्राथमिकता की मांग को लेकर चल रही नगर परिषद सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शहर के मुख्य बाजार, पुलिस थाने के सामने, गांधी पार्क के पास, गिरनार ट्रेडर्स के पास सहित विभिन्न स्थानों में कचरे के ढेर लग गए है। इन मुख्य मार्ग में लगे कचरे के ढेर से वहां से गुजर रहे व्यक्ति मजबूरन नाक सिकुड़ के निकल रहे हैं। बुधवार को नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल का आवाहन करते हुए अपनी मांगों को करने के लिए प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वास्थ्य शाखा प्रभारी आशीष खैराल ,जामदार राधेश्याम, नरेश, महेंद्र,गिरिराज व कई सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

आकाश ने अगले दूरदर्शी व प्रतिभा की तलाश में एंथे 2024 लॉन्च किया

उदयपुर, रॉयल पत्रिका. अपनी प्रमुख छात्रवृत्ति परीक्षा एंथे के गौरवशाली 15 वर्ष पूरे करते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, गर्व से बहुप्रतीक्षित आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम के नवीनतम संस्करण के लॉन्च की घोषणा की। एंथे 2024 के लांच के साथ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अगले दूरदर्शी लोगों की तलाश शुरू हो गई है। महान वैज्ञानिक जैसे सर जगदीश चंद्ग बसु, जिन्होंने वनस्पति विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया और डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन, जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। डॉ. हर गोबिंद खुराना, जिनकी जैव रसायन में की गई खोजों ने आनुवंशिकी को नया आकार दिया और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, जिनके दूरदर्शी एयरोस्पेस और मिसाइल प्रौद्योगिकी में काम ने एक राष्ट्र को प्रेरित किया। आकाश इसका मार्गदर्शन करने का प्रयास करता है छात्र समर्पण और नवाचार के साथ समान उत्कृष्टता प्राप्त करें। लोकप्रिय और अत्यधिक मांग वाली इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा सातवीं से बाहरवीं तक के छात्रों को 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप और महत्वपूर्ण नकद पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे वे चिकित्सा या इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सफ ल करियर के अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

शहर होगा अतिक्रमण मुक्त, अभियान की शुरुआत आज से

भीलवाड़ा, रॉयल पत्रिका. अजमेर चौराहा से आरजिया चौराहे तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई 1 अगस्त से होगी। नगर परिषद कमिश्नर हेमाराम चौधरी ने बताया कि नगर परिषद, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की संयुक्त टीमें सुबह 11 बजे पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचेगी। पहले से मार्किंग किए अतिक्रमण को सबसे पहले हटाया जाएगा। दुकानों के मूल आकार से ज्यादा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। 25 जुलाई को कलक्टर नमित मेहता और एसपी राजन दुष्यंत ने ट्रैफिक समस्या को देखते हुए भीलवाड़ा की प्रमुख सड़कों को क्लियर करने के उद्देश्य से रोडमैप बनाया था। उसी शाम को नगर परिषद, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर व्यापारियों को समझाया और अतिक्रमण हटाने की अपील की। अतिक्रमण पर पर मार्किंग की गई। ऐसे में अब 1 अगस्त को अजमेर चौराहा से कार्रवाई शुरू की जाएगी।

स्तनपान नवजात के लिए अमृत : डॉ. कपूर

रॉयल पत्रिका

भरतपुर. प्रदेश में शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए स्तनपान के संरक्षण, प्रचार व समर्थन करने के लिए इस वर्ष की थीम "Closing the gap: Breast-feeding support for all'' तथा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण भारत सरकार द्वारा प्रसव केन्द्रों पर बच्चे के जन्म के पश्चात शीघ्र स्तनपान एवं नई माताओं को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए जिले में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन 1 अगस्त से किया जाएगा।

स्तनपान हर नवजात के लिए अमृततुल्य होता है। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण व सर्वोत्तम आहार माना जाता है, इसमें बच्चे के पोषण के लिए आवश्यक सभी चीजें इसमें समाहित होती हैं। यही कारण है कि सभी माताओं को, अपने नवजात को प्रथम 6 माह के लिए स्तनपान कराने की सलाह दी जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि 1 से 7 अगस्त तक मनाये जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सक्षम वातावरण को बढावा देने, बाल मृत्युदर को कम करने, पोषण में सुधार व शिशु के विकास को बढाने में स्तनपान की भूमिका पर जोर देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण मंच है। जिले में स्तनपान से होने वाले लाभ को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए जिला व ब्लॉक स्तर, सीएचसी, पीएचसी, सब सेन्टर व ग्राम स्तर तक अगस्त माह के पहले सप्ताह (1-7 अगस्त) को विश्व स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। सप्ताह के दौरान जिले में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के हितधारकों की क्षमतावर्धन और भागीदारी सुनिश्चित कर प्रथम 6 माह के लिए केवल स्तनपान और कम से कम 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखने के महत्व पर जागरूकता पैदा की जाएगी। सीएमएचओ डॉ. कपूर ने बताया कि सप्ताह के दौरान सामान्य व सिजेरियन सेक्शन से दोनो हीं प्रसवों की स्थितियों में जन्म के एक घण्टे के भीतर स्तनपान की शुरूआत सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाएगा। नवजात शिशु के लिए पीला गाढ़ा चिपचिपायुक्त मां के स्तन का दूध कोलेस्ट्रम संपूर्ण आहार होता है, जिसे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद एक घंटे के भीतर ही शुरू कर देना चाहिए सामान्यता बच्चे को 6 महीने की अवस्था तक स्तनपान करवाया जाना चाहिए। शिशु को छह महीने की अवस्था और 2 वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक स्तनपान कराने के साथ-साथ पौष्टिक पूरक आहार भी देना चाहिए। उन्होंने बताया कि मां का दूध बच्चे के लिए अनमोल उपहार है। नवजात शिशु और बच्चे को सुरक्षा और स्नेह तथा पर्याप्त पोषण की आवश्यकता होती है। इन सभी आवश्यकताओं को स्तनपान पूरा करता है। मां का दूध, बच्चे के सम्पूर्ण विकास के लिए पोषण का सबसे अच्छा स्रोत है तथा बच्चे को छह महीने की अवस्था तक मां के दूध के अलावा अन्य कोई वैकल्पिक आहार नहीं दिया जाना चाहिए।

28 शिक्षकों व 2 सेवकों का सम्मान, 14 विद्यार्थियों का अभिनंदन

परिषद ने किया गुरुवंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का शुभारंभ

रॉयल पत्रिका

केकड़ी. भारत विकास परिषद शाखा केकड़ी द्वारा बुधवार को परिषद के स्थाई प्रकल्प के तहत केकड़ी के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का शुभारम प्रातः 7.30 बजे मां भारती, एवं स्वामी विवेकानंदजी की के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वंदे मातरम् के साथ किया गया। तत्पश्चात परिषद् का परिचय व परिषद् में होने वाले मुख्य प्रकल्पों की जानकारी शाखा सचिव दिनेश वैष्णव ने विधार्थियों के समक्ष सदन में प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांतीय कार्यकरणी सदस्य सर्वेश विजय ने अपने उद्बोधन के माध्यम से विधार्थियों को अनुशासन में रहते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करते हुए अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व आदर का भाव रखने की प्रेरणा देते हुए परिवार, विद्यालय, शहर और देश के प्रति लगन और निष्ठा के भाव रखने की शिक्षा दी। शाखा के वित्तीय सचिव भगवान माहेश्वरी ने बताया कि राजकीय बालिका विद्यालय की कुल 1100 बालिका के समक्ष 28 शिक्षकों एवं 2 चतुर्थ श्रेणी सेवकों का तिलक ओर दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया व 14 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर विधार्थियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य हेमन पाठक, व्याख्याता मीता व्यास, विजयलक्ष्मी मीणा, बिरदीचन्द सैनी, अध्यापक शिवप्रताप मीणा, मीना चौहान, लोकेश नाथ योगी, कंप्यूटर अनुदेशक निर्मल सिंह, अर्पित दाधीच, डॉ. आदित्य उदयवाल सहित कुल 28 शिक्षकों सम्मान किया किया और 14 चयनित विद्यार्थियों जिनको उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता, खेलकूद, सेवा के कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने परिषद् का धन्यवाद, व आभार व्यक्त किया, तथा आगे भी परिषद् में होने वाली सभी प्रकल्पों को विद्यालय में करवाने की अनुमति प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान परिषद सदस्य हरिनारायण बिदा ने सभी को विद्यार्थियों को धुम्रपान व नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। कार्यकम में शाखा अध्यक्ष महेश मंत्री, समाज सेवी रामगोपाल सैनी, प्रकल्प प्रभारी महावीर पारीक, परिषद सदस्य एवं केकड़ी ब्लॉक के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विष्णु शर्मा, वरिष्ठ सदस्य रामनिवास जैन, मातृशक्ति महिला मंडल से महिला प्रमुख ममता विजय, शांता माहेश्वरी एवं रखा मंत्री ने सहयोग प्रदान किया।

मांगें नहीं मानने पर आज से आंदोलन की चेतावनी

9 सूत्री मांगों को लेकर राशन डीलरों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

रॉयल पत्रिका

वैर. राशन डीलर संघ वैर अध्यक्ष सत्यकाम शर्मा की अध्यक्षता में राशन डीलरों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें 9 सूत्रीय मांगों को लेकर चर्चा की गई।

राशन डीलरों ने मांगों को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा के नाम एसडीएम सचिन यादव को ज्ञापन सौंपा।जिसमें मांगे नहीं माने जाने पर एक अगस्त से आंदोलन की चेतावनी दी है। राशन डीलर संघ वैर अध्यक्ष सत्यकाम शर्मा के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया है की राशन विक्रेताओं को प्रतिमाह 30 हजार रुपए मानदेय देने, एफसीआई से मिलने वाले गेहूं की तौल कम होने के कारण गेहूं वितरण पर 2 प्रतिशत छीजत देने, विगत 6 माह का बकाया कमीशन देने, आधार सीडिंग की राशि दिलाने, प्रवासी योजना के तहत वितरण कराए गए गेहूं का कमीशन और ई-केवाईसी का सीडिंग का मानदेय देने की मांग की गई गई है। राशन डीलरों ने बताया कि ई-मित्र वाले आधार कार्ड अपडेट के 150 रुपए चार्ज कर रहे हैं और राशन विक्रेता को ई-केवाईसी सीडिंग के लिए सरकार द्वारा कुछ भी चार्ज नहीं दिया गया, यह मानवीय मूल्यों के खिलाफ है। ज्ञापन पर चंद्रशेखर पप्पू, देवेंद्र शर्मा, मुकेश कुमार जैन, अशोक गुप्ता, शेर सिंह, पप्पू सिंह, सतपाल सिंह, राजकुमार भूतोली, पूरन सिंह, हीरा सिंह, लक्ष्मण, मनोहरी आदि के हस्ताक्षर मौजूद है।

उपलब्धिपरक सेवाकाल के बाद राजस्व मंडल अध्यक्ष सिंह सेवानिवृत्त

सफलता के लिए सजगता, संयम व सहजता को करें आत्मसात : राजेश्वर सिंह

रॉयल पत्रिका

अजमेर. राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि हर क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिये सजगता, संयम, सहजता एवं निर्मलता के गुणों को आत्मसात करने की जरूरत है। वे बुधवार को राजस्व मंडल सभागार में उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मक्षेत्र में सफलता के लिये सदाशयता एवं सहजता के मानवतावादी गुणों के आधार बनाने की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें बगैर किसी को कष्ट पहुंचाए सर्वकल्याणकारी सोच के साथ कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। हम परस्पर सांस्कृतिक धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करें। आपसी सौहार्द एवं सहयोग की भावना से आगे बढते हुए स्वस्थ परिवेश की स्थापना करें। समारोह में अध्यक्ष श्री सिंह, तहसीलदार शंकर लाल बलाई एवं जमादार हेमा का सेवानिवृत्ति के अवसर पर माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ, साफा, शॉल, स्मृति चिह्न एवं गीता भेंट कर अभिनंदन किया गया। समारोह में मंडल निबंधक महावीर प्रसाद, सदस्य सुरेंद्र माहेश्वरी, अविनाश चैधरी, भंवर सिंह सांदू, भवानी सिंह पालावत, महेंद्र लोढ़ा, कमला अलारिया, आरआरटीआई निदेशक ऋषिबाला श्रीमाली, अतिरिक्त निबंधक प्रिया भार्गव, उप निबधक सुनीता यादव एवं सलीम खान वित्तीय सलाहकार शैलेंद्र परिहार, सांख्यिकी निदेशक बीना वर्मा, अमित शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। स्वागत विभागीय समिति अध्यक्ष अजय गुर्जर ने जबकि आभार सचिव राजकुमार बाघमार ने जताया।

विविध उपलब्धियों भरा रहा सिंह का कार्यकाल : श्री राजेश्वर सिंह के 4 अगस्त 2021 को मंडल अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद निरंतर रूप से मंडल की बेहतरी के लिए प्रभावी कदम उठाकर प्रदेश के राजस्व न्यायालयों के लिये मिसाल कायम की।

किसानों व ग्रामीणों में हर्ष

बिशनगढ़ से बालवाड़ा सड़क नवीनीकरण की स्वीकृति पर गर्ग का जताया आभार

रॉयल पत्रिका

जालोर. निकटवर्ती बिशनगढ़ से बालवाड़ा होते हुए काठाडी तक लंबे समय से क्षतिग्रस्त सड़क के नवीनीकरण के लिये राशि स्वीकृत होने पर स्थानीय विधायक व मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग का उम्मेदाबाद मण्डल महामंत्री कल्याणसिंह पड़ियार व बिशनगढ़ के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्त्ता हरीश शर्मा सहित बिशनगढ़ व बालवाड़ा के किसानो सहित ग्रामीणों ने आभार जताकर खुशी जाहिर की। बिशनगढ़ से बालवाड़ा होते हुए काठाडी के नेशनल हाईवे 325 को जोड़ने वाली सड़क काफी लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी एवं इस पर बड़े- बड़े खड्डे हो गये थे जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, यह सड़क बालवाड़ा ग्रामवासियों के लिये काफी महत्वपूर्ण है जो की जिला मुख्यालय को जोड़ती है साथ ही बिशनगढ़ के किसानो के भी काफी खेत इस मार्ग पर है जिस पर इस मार्ग के नवीनीकरण से पर उन्हे भी काफी सहूलियत मिलेगी एवं सफर सुगम होगा।

उक्त सड़क के लिये राजस्थान प्रदेश के वित्त बजट 2024 में कुल 9 किलोमीटर लम्बी सड़क के नवीनीकरण को लेकर दो करोड़ 50 हजार रुपए की स्वीकृति दिलाने के लिये जालोर विधायक व राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग का उम्मेदाबाद भाजपा मण्डल महामंत्री कल्याणसिंह पड़ियार सहित ग्रामीणों ने आभार जताया।

स्थापना व गठन

आगामी दिनों में करेंगे कार्यकारिणी विस्तार की कार्यवाही

रामगोपाल सैनी बने रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन

रॉयल पत्रिका

केकड़ी. इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला केकड़ी की स्थापना एवं गठन की प्रस्तावित बैठक नगर पारिषद के रंग मंच पर जिला कलक्टर श्वेता चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस बैठक में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा से जनरल सेक्रेट्री जगदीश जिंदल एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं बूंदी इंडियन रेड क्रास सोसाईटी के सचिव अशोक विजय एवं केकड़ी के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उदयराम बलोंटिया पदेन उपाध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा केकड़ी ने भाग लिया। इस बैठक में बढते कदम गोशाला संस्थान,भारत विकास पारिषद सावर, लाइन्स क्लब केकड़ी, संत निरंकारी संस्थान, श्री राम अन्नपूर्णा, रक्तदान जीवन दान ग्रुप सदारा, रक्त मित्र मंडल सावर,राष्ट्रीय शिक्षक संघ भारतीय किसान संघ, सर्व ब्राह्मण समाज, वनवासी कल्याण परिषद एवं सावर, सरवाड़, भीनाय, बांधनवाड, सापला, देवगांव ,बघेरा ,टोडा रायसिंह एवं सभी समाज के 311 आजीवन सदस्यों की उपस्थिति मे जिला कलक्टर श्वेता चौहान ने सदस्यों के समक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला केकड़ी का चेयरमेन व वाईस चेयरमैन के चुनाव का प्रस्ताव रखा इस पर बढ़ते कदम गोशाला संस्थान के अध्यक्ष अशोक पारीक ने रामगोपाल सेनी का चेयरमेन के लिए प्रस्ताव रखा और अनुमोदन सभी उपस्थित सदस्यों ने हाथ खड़े कर समर्थन किया एवं वाइस चेयरमैन के लिए गोपाल वर्मा ने मुकेश नुवाला के लिए प्रस्ताव रखा और अनुमोदन सभी उपस्थित सदस्यों ने हाथ खड़े कर समर्थन किया।दोनों पद के लिय अन्य कोई नाम नहीं आने पर सर्व सम्मति से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला केकड़ी का चेयरमैन रामगोपाल सेनी एवं वाइस चेयरमैन मुकेश नुवाला को चुना गया। दोनों पदाधिकारि अपनी कार्यकारिणी के विस्तार की कार्रवाई आगामी दिनों में करेंगे।इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा से जनरल सेक्रेट्री जगदीश जिंदल ने अपने उद्बोधन में बताया कि रेड क्रॉस सोसाइटी पूरे भारतवर्ष में मानव समाज की सेवा के लिए जानी जाती हे । फर्स्ट ऐड की सेवा के लिय ट्रेनिंग कैम्प का आयोजन, ब्लड बैंक की स्थापना,एम्बुलेंस का संचालन, मेडिकल कीट का वितरण,उचित मूल्य पर दवा वितरण आदि कार्य संस्थान द्वारा किया जाता है।

परिषद सभापति व आयुक्त ने कोचिंग इंस्टिट्यूट का किया निरीक्षण

रॉयल पत्रिका

भीलवाड़ा. परिषद सभापति राकेश पाठक एवं आयुक्त हेमाराम चौधरी ने शहर के विभिन्न कोचिंग इंस्टिट्यूट का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा तैयारिया को परखा, परिषद सभापति पाठक ने बताया कि कुछ दिन पूर्व राजधानी दिल्ली में कोचिंग इंस्टिट्यूट में हुई दुर्घटना को मध्य नजर रखते हुए शहर की विभिन्न कोचिंग इंस्टिट्यूट में सुरक्षा तैयारियां को परखने के लिए निरीक्षण किया गया, परिषद आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि परिषद टीम द्वारा सिंधु नगर एवं तेज सिंह सर्कल स्थित कोचिंग इंस्टिट्यूट का निरीक्षण किया गया , फायर अधिकारी छोटू राम ने बताया कि उक्त कोचिंग इंस्टिट्यूट पर आगजनी के दौरान निकास की व्यवस्था नहीं पाई गई एवं उक्त भवनों में फायर उपकरण भी नहीं लगे हुए थे इस हेतू संबंधित इंस्टिट्यूट को नोटिस जारी किए जा रहे हैं इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भरत जय प्रकाश मीणा भी उपस्थित रहे

गेस्ट हाउस की आड़ में देह व्यापार का भांडा फोड़

3 महिला और एक युवक गिरफ्तार

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा शहर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर जिस्म फरोशी का धंधा गेस्ट हाउस की आड में चल रहा था। एस पी राजन दुष्यंत ने बताया की पांसल गांव से अजमेर की तरफ जाने वाले मार्ग पर स्थित तिरुपति गेस्ट हाउस में देह व्यापार की शिकायत लगातार मिल रही थी। जिस पर पुर थाना पुलिस को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया । कार्यवाही करने के लिए ए एस पी विमल सिंह नेहरा और वृताधिकारी सदर के सुपरविजन में टीम का गठन किया। टीम में हेड कांस्टेबल पीरु लाल, कांस्टेबल कुलदीप कुमार, हीरो जाट, ममता, दिनेश कुमार को शामिल किया गया। टीम ने मौका देखकर गेस्ट हाउस में दबिश दी। जहां जांच पड़ताल कर तलाशी ली। वहां रिसेप्शन पर मौजूद योगेश शर्मा नामक युवक से पूछताछ की जो स्पष्ट और संतोषप्रद जवाब देने में असमर्थ रहा गेस्ट हाउस में मोजूद रिकॉर्ड और दस्तावेज भी जांच गए। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं और 24 वर्षीय युवक योगेश शर्मा निवासी जालिया 2, विजयनगर जिला अजमेर को गिरफ्तार कर लिया । पुलिस द्वारा सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

गोविंददेवजी मंदिर में झूला महोत्सव का शुभारंभ

चांदी के झूले में राधा संग झूले ठाकुरजी

- श्रावण कृष्ण एकादशी से ठाकुर जी को झूले के आसन पर किया गया विराजमान
- सावन माह में ठाकुरजी को लहरिया पोशाक करवाई धारण

रॉयल पत्रिका

जयपुर। आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में श्रावण कृष्ण एकादशी से झूला महोत्सव का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। ये झूला महोत्सव रक्षाबंधन तक चलेगा। झूला महोत्सव में ठाकुरजी राधा रानी संग रियासतकालीन चांदी के झूले में झूले। महोत्सव में ठाकुरजी को लहरिया और जामा पोशाक धारण करवाई गई। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि झूला महोत्सव से पूर्व ठाकुरजी पताका आसन पर विराजमान थे। श्रावण कृष्ण एकादशी से इन्हें झूले के आसन पर विराजमान किया गया है। रियासतकालीन चांदी का झूला बहुत भारी और कलात्मक है। सांगवान की लकड़ी पर चांदी का पतड़ा चढ़ाया हुआ है। इसके अलग-अलग हिस्से जिन्हे एक किया जा सकता है। सावन माह में ठाकुरजी को लहरिया पोशाक धारण करवाई गई है। झूला महोत्सव के दौरान ही मंदिर परिसर में सिंजारा, तीज और रक्षाबंधन पर विशेष उत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में चांदी के झूले में ठाकुरजी को विराजमान कर उन्हे झूलाया जाएगा और घेवर का भोग लगाया जाएगा।

सरस निकुंज में प्रतिदिन होगा पदगायन

सुभाष चौक, पानों का दरीबा स्थित सरस निकुंज में भी झूला महोत्सव मनाया गया। मंदिर प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि सिंजारा पूजन से रक्षाबंधन तक प्रतिदिन झूला महोत्सव के पदों का गायन किया जाएगा। शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में वैष्णव भक्त विशेष अवसरों पर उत्सव मनाएंगे।

गंगाजल और दिव्य औषधियों से शिव महाभिषेक 12 को

नंदपुरी, रामनगर सोडाला में स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में भगवान भोले का भव्य महाभिषेक किया जाएगा। श्रावण के चौथे सोमवार 12 अगस्त को भोले बाबा की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इस अवसर पर गुरुवार को शिव महाभिषेक कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया गया। अवधेश दास महाराज राजस्थान विधानसभा प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक कैलाश वर्मा, धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के महासचिव गब्बर कटारा उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंकज ओझा ने बताया कि 12 अगस्त को भगवान शिव की आरती व मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। जिसके पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक गंगाजल से भगवान शिव का महाभिषेक किया जाएगा। जिसके बाद आम, गन्ने के रस व दुग्ध धारा से भोले बाबा का अभिषेक किया जाएगा।

हरिद्वार से टैंकर भरकर लाया जाएगा गंगाजल

भोले बाबा के जल अभिषेक के लिए हरिद्वार से टैंकर भरकर गंगाजल लाया जाएगा। हरिद्वार से जयपुर पहुंचने पर गंगा माता का ढोल नगाड़ों से स्वागत किया जाएगा। प्रमुख नदियों और सरोवरों के जल को मिलाकर भोले बाबा का अभिषेक किया जाएगा।

भक्तों को अभिषेक के लिए दिए जाएंगे कलश

हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए दो टैंकरों का चयन किया गया है। जिसमें टैंकर से गंगाजल लेकर बाबा का अभिषेक करने के लिए भक्तों को कलश वितरित किए जाएगे। इसी के साथ बिल्व पत्र और पुष्प भी भक्तों को मंदिर प्रांगण में उपलब्ध करवाए जाएंगे।

राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति के लिए

सवाई माधोपुर । जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज मीणा ने बताया कि निदेशालय अल्पसंख्यक मामलात विभाग, जयपुर द्वारा राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, अध्यापक, शारीरिक शिक्षक, वरिष्ठ/कनिष्ठ सहायक एवं छात्रावास अधीक्षकों के प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापन के लिए आवेदन पत्र 6 अगस्त 2024 तक आमंत्रित किए गए है। अधिक जानकारी के लिये विभाग की वेवसाइट https://minority.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

डोटासरा के निर्देशानुसार पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजीज दर्द के नेतृत्व में प्रदेश में लचर कानून व्यवस्था को लेकर ज्ञापन

पाली । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजीज दर्द के नेतृत्व में प्रदेश में लचर कानून व्यवस्था को लेकर ज्ञापन दिया गया। जिसमें पाली जिले में विद्त एवं पेयजल को लेकर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिजली व पेयजल आपूर्ति सही नहीं होने के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्त आपूर्ति बाधित होने से आमजन एवं व्यापार - उद्योग के साथ साथ पशुधन आदि को भी भयंकर परेशानियां हो रही है। यह जानकारी देते हुए जिला महासचिव रफीक चौहान ने बताया कि इस संदर्भ में आज 31 जुलाई बुधवार को प्रातः 11:00 बजे कलेक्टर कार्यालय के बाहर कांग्रेस जनों के साथ नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पाली जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया गया।

दिल्ली पुलिस और एमसीडी अधिकारियों ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विरोध स्थल का किया दौरा

कोचिंग सेंटर घटनाः सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी

रॉयल पत्रिका

दिल्ली के राजेंद्र नगर में स्थित कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत के विरोध में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। एक दिन पहले भारी बारिश के कारण इस इलाके में फिर से जलभराव हो गया था। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे गौतम ने कहा कि हम अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। बुधवार को हुई बारिश ने सभी को दिखा दिया कि इस क्षेत्र में ऐसी परिस्थितियों में हमें किस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता है। गौतम बुधवार को प्रदर्शनकारी छात्रों द्वारा गठित 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा भी हैं, जो विरोध प्रदर्शन की भावी रणनीति तय करेगी और संबंधित अधिकारियों से संवाद करेगी। दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों की चिंताओं को दूर करने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विरोध स्थल का दौरा किया। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में बुधवार शाम को भारी बारिश हुई, जिससे राहगीरों को जलभराव वाली गलियों से गुजरते हुए अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित होते हुए देखा गया। इस इलाके में पिछले हफ्ते एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इस इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति के कई वीडियो इंटरनेट पर सामने आए। इस इलाके में कई कोचिंग सेंटर स्थित हैं। इस घटना के लिए एमसीडी की कड़ी आलोचना की जा रही है, जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सत्ताइस जुलाई को हुई इस घटना के बाद से ही छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और कोचिंग सेंटर में बेहतर सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं। बारिश के बाद राजेंद्र नगर से आप विधायक दुर्गेश पाठक इलाके में पहुंचे।

आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो में पाठक को कुछ छात्रों के साथ घुटने तक पानी में चलते हुए देखा गया। ओल्ड राजेंद्र नगर में 27 जुलाई की शाम को राव आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट के अंदर बारिश का पानी घुसने से श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन नामक तीन छात्रों की मौत हो गई थी।

भारी बारिश में भी डटे रहे छात्र

दिल्ली सरकार एमसीडी के लिए केंद्र से 5,200 करोड़ रुपये मांगेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए 5,200 करोड़ रुपये की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य शहरी स्थानीय निकायों की तरह एमसीडी को भी केंद्र से अनुदान मिलना चाहिए। यहां महापौर शैली ओबेरॉय के साथ एक पत्रकार वार्ता में शहरी विकास मंत्री ने कहा कि एमसीडी को नालियों और सड़कों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्रीय अनुदान की आवश्यकता है। भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के शहरी स्थानीय निकायों को केंद्र से अनुदान मिलता है। उन्होंने कहा, "दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। अन्य शहरी स्थानीय निकायों की तरह दिल्ली नगर निगम को भी केंद्र से अनुदान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, "एमसीडी को केंद्र से 5,200 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान मिलना चाहिए। मैं इस बारे में केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखूंगा।" इस राशि की मांग करने का कारण बताते हुए भारद्वाज ने कहा, "देश भर के शहरी स्थानीय निकायों को पिछले पांच वर्षों में केंद्र से 1.21 लाख करोड़ रुपये का अनुदान मिला है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में कुल शहरी आबादी 37.7 करोड़ है।" उन्होंने कहा, "इन आंकड़ों के अनुसार अन्य राज्यों में शहरी स्थानीय निकायों को केंद्र से प्रति व्यक्ति 3,211 रुपये प्राप्त हुए।" उन्होंने कहा, "इसी तरह जनगणना के अनुसार दिल्ली की शहरी आबादी 1.63 करोड़ है। इसलिए दिल्ली को अपने शहरी स्थानीय निकाय के लिए 5,243 करोड़ रुपये मिलने चाहिए। यह एमसीडी का अधिकार है।" भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से एमसीडी को बुनियादी ढांचे के विकास, विशेषकर सड़कों और नालियों के लिए अनुदान का हिस्सा देने का आग्रह किया। आप के नेतृत्व वाली एमसीडी को वर्तमान मानसून सीजन के दौरान दिल्ली में व्यापक जलभराव के कारण आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्षाजनित घटनाओं में कई लोगों की जान जा चुकी है।

महापौर के अधिकारियों को विशेष निर्देश, मेयर डिस्क्रीशनरी फण्ड से सुधरेगा ड्रेनेज सिस्टम

नई दिल्ली, हरिभूमि। महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने ओल्ड राजेन्द्र नगर की दुखद घटना व दिल्ली में जलभराव की समस्या के मद्देनजर आला अधिकारियों की एक बैठक बुलाई। इस बैठक में महापौर ने विशेष निर्देश दिए कि अब मेयर डिस्क्रीशनरी फण्ड से ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर फुटपाथ व नालों पर अतिक्रमण कर लिया गया है, वहाँ अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। महापौर ने कहा कि 24 घंटे सातों दिन अलग -अलग शिफ्ट में अधिकारी व स्टाफ कार्य करें ताकि नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना ना करना पड़े और राजेन्द्र नगर जैसी दुखद घटना न हो। दिल्ली में जितने भी क्षेत्रों में ओपन केबल या तारे हैं, उन स्थानों का सर्वे किया जाए। मेयर की डेम्स और इंजीनियरिंग विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद ओबरॉय ने डिप्टी मेयर व नेता सदन मुकेश गोयल के साथ प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि राजेन्द्र नगर की घटना के तुरंत बाद यह निर्देश दिए गए थे की दिल्ली के जितने भी कोचिंग सेंटरों बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सील करने तक की कार्रवाई की जाए।

बिना खिड़की के छोटे-छोटे कमरों में परवान चढ़ने की कोशिश करता है आईएएस बनने का सपना

नई दिल्ली। छोटे-छोटे, खिड़की रहित कमरों में पेइंग गेस्ट के तौर पर रहने वाले, सिविल सेवा अभ्यर्थियों की आंखों में पलता यह सपना उन्हें राहत देता है कि एक दिन उनका भी आएगा जब वे अफसर बन जाएंगे और अपनी पसंदीदा जिंदगी जिएंगे। ओल्ड राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अचानक पानी भरने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की घटना ने उन खराब परिस्थितियों को उजागर किया है जिसमें कई सिविल सेवा उम्मीदवार आईएएस अधिकारी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए विषम हालात में रहते हैं। ओल्ड राजेंद्र नगर हो या मुखर्जी नगर, दिल्ली के विभिन्न कोचिंग केंद्र की कहानी एक जैसी ही है। पिछले डेढ़ साल से राजेंद्र नगर में ग्राउंड फ्लोर पर एक कमरे में रह रहे उत्तर प्रदेश के एक सिविल सेवा अभ्यर्थी ने कहा कि राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर में लगभग हर मकान के मालिक ने अपने घर को पेइंग गेस्ट आवास में बदल दिया है। मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में कक्षाएं लेने वाले 28 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी ने कहा कि छात्रों की संख्या बहुत ज्यादा है और जगह कम है इसलिए गरीब परिवारों के लोगों के पास रहने के लिए बहुत कम विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे पैसे कमाने के लिए पीजी के मालिक एक बड़े कमरे को पर्दे से अलग अलग हिस्से में बांट देते हैं। ऐसे कमरों में करीब पांच से छह छात्र रहते हैं। आम तौर पर इन हालात में छात्र सोचते हैं अभी झेल लो, एक बार नौकरी लग गई, तो आगे पीछे नौकर-चाकर होंगे। शहर के दो कोचिंग केंद्रों में रहने वाले कई सिविल सेवा अभ्यर्थियों का कहना है कि वे बिना खिड़की वाले बेसमेंट में रहते हैं, जो हर बार भारी बारिश होने पर पानी से भर जाते हैं। उनका कहना है कि ऐसे कमरों की कीमत ग्राउंड फ्लोर या ऊपरी मंजिलों के कमरों की तुलना में आधी है। एक अन्य सिविल सेवा अभ्यर्थी ने कहा "अगर कोई ग्राउंड या ऊपरी मंजिलों पर रहना चाहता है, तो उसे कम से कम 25,000 से 30,000 रुपये प्रति माह खर्च करने होंगे। जो लोग बेसमेंट में रह रहे हैं, उन्हें लगभग 15,000 से 20,000 रुपये प्रति माह देने पड़ रहे हैं। खतरा तो है लेकिन पैसे बच जाते हैं। ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में बारिश के कारण पानी भर जाने से सिविल सेवा के तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना बाद छात्रों ने कहा कि वे ऐसे बेसमेंट में रहकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। इसके बावजूद वे संघर्ष का महिमामंडन करते हैं। एक छात्र ने कहा कि यह सिविल सेवाओं का आकर्षण है कि ऐसी समस्याओं को नजर अंदाज कर दिया जाता है। न केवल पीजी में भीड़ है बल्कि कक्षाओं का भी यही हाल है। उचित सुविधाएं नहीं होने के बावजूद छात्रों की संख्या बढ़ती ही जाती है। कक्षा में 100 छात्र होने पर भी मालिक 120 से 125 से अधिक छात्रों को समायोजित करने का प्रयास करते हैं। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने कहा कि जो लोग बैठने या कक्षा में आने में असमर्थ हैं, उन्हें रिकॉर्ड की गई वीडियो सामग्री दी जाती है जिसका वे बेसमेंट की लाइब्रेरी में बैठ कर अध्ययन करते हैं। बेसमेंट को पीजी के रूप में किराए पर देना गैरकानूनी है, क्योंकि दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) 2021 में ऐसी जगहों का केवल भंडारण, पार्किंग और उपयोगिता क्षेत्रों के तौर पर उपयोग करने की अनुमति है। असम के एक अन्य आईएएस अभ्यर्थी ने कहा कि अचानक सरकार सख्त हो गई है, लेकिन यह सिर्फ कुछ समय की बात है क्योंकि एक घटना घटी है।

भाजपा ने नालों की सफाई कार्य में घोटाले का आरोप लगाया, सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी सरकार की एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में नालों की सफाई में घोटाले का आरोप लगाया और इसकी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का भ्रष्टाचार तथा लूट ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के भूमिगत तल में बाढ़ के पानी में तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत और शहर में बारिश से संबंधित अन्य घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। भाजपा के आरोपों पर आम आदमी पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सचदेवा ने कहा कि 2022-23 में दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (आईएंडएफसी) विभाग, लोक निर्माण विभाग (लोनिव), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने नालों से क्रमशः तीन लाख मीट्रिक टन, दो लाख मीट्रिक टन, दो लाख मीट्रिक टन और 40 हजार मीट्रिक टन गाद निकाली है। सचदेवा ने सवाल किया कि इस अनुमान के अनुसार 2024 में इन एजेंसियों को नालों से लगभग आठ से नौ लाख मीट्रिक टन गाद उठानी चाहिए थी। मैं दिल्ली के मंत्रियों आतिशी, सौरभ भारद्वाज और एमसीडी महापौर शेली ओबेरॉय से पूछना चाहता हूं कि अगर इस साल नालों की सफाई की तो निकाली गई गाद कहां गई। उन्होंने दावा किया कि नालों से निकाली गई गाद से लदे ट्रकों के नरेला के सिंघोला डंपिंग जोन या शहर के तीन लैंडफिल स्थलों तक पहुंचने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि नालों की सफाई के काम में सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। उन्होंने इसकी सीबीआई जांच की मांग की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि करोड़ों रुपये की इस लूट के कारण पूरा शहर अस्त-व्यस्त है। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और आप सरकार की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत से संबंधित मामले में एसयूवी चालक को जमानत मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के मामले में गिरफ्तार स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक की दूसरी जमानत याचिका बृहस्पतिवार को मंजूर कर ली। कार्यवाही के दौरान, दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि उसने एसयूवी चालक मनुज कथूरिया के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप वापस लेने का फैसला किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने कथूरिया को बुधवार को जमानत देने से मजिस्ट्रेट अदालत के इनकार के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई की। न्यायाधीश ने कहा कि जमानत मंजूर की जाती है। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। कथूरिया पर आरोप है कि उनकी 'फोर्स गोरखा' कार के पानी से भरी सड़क से गुजरने के कारण पानी कोचिंग सेंटर में घुस गया जिसके बाद तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई। कार्यवाही के दौरान, दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि उसने कथूरिया के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' के आरोप को हटाने का फैसला किया है। जांच अधिकारी (आईओ) ने याचिका के जवाब में कहा कि विस्तृत जांच में पाया गया है कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) आरोपी पर लागू नहीं होती। जांच अधिकारी ने कहा कि आईआईटी-दिल्ली की विशेषज्ञ टीम के घटनास्थल का दौरा करने और निरीक्षण के बाद निष्कर्ष प्रस्तुत करने पर इसका बेहतर मूल्यांकन किया जा सकेगा। ऐसे में, अब तक आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना) के तहत मामला बनता है, जिसके लिए अदालत उचित आदेश पारित कर सकती है। बुधवार को अपराध को 'गंभीर' बताते हुए मजिस्ट्रेट अदालत ने कथूरिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उनकी याचिका 'फिलहाल अस्वीकार्य' है। कथूरिया को सोमवार को बेसमेंट के चार सह-मालिकों के साथ गिरफ्तार किया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने रविवार को राऊ आईएएस स्टडी सर्किल के मालिक अभिषेक गुप्ता और समन्वयक देशपाल सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

एडवाइस / अनुराग मनींद्र

बच्चों, हमारा अपने दोस्तों के साथ बहुत प्यारा रिश्ता होता है। दोस्त हमारे सुख-दुख के साथी होते हैं। इनसे हम हर बात साझा करते हैं। कदम-कदम पर ये साथ देते हैं। दोस्तों के साथ हमें एक अनोखी खुशी मिलती है। यह अनमोल दोस्ती और कैसे गहरी हो, कैसे हमारी बॉन्डिंग बढ़े, यह बात हमें जरूर जाननी चाहिए।

फ्रेंड्स के साथ ऐसे बढ़ेगी बॉन्डिंग

हर बच्चे को कोई ऐसा चाहिए, जिसके साथ वह खेले-कूदे, बातें करे, दिल की ऐसी बातें, जिनसे मन हल्का हो, जरूरत पड़ने पर वह मददगार भी बने। कहने का मतलब ऐसा साथ, जो हमें एक खुशी दे। ऐसा साथ देने वाला ही मित्र, दोस्त या फ्रेंड कहलाता है। हर किसी को ऐसे दोस्त की जरूरत होती है, जो हमारा साथ दे। हां बच्चों, हमारे कई ऐसे साथी होते हैं, जो कदम-कदम पर हमारा साथ देते हैं, जिनके सपोर्ट से हमारा कठिन से कठिन काम आसान हो जाता है, मुश्किलें खत्म हो जाती हैं। इन दोस्तों के साथ हमें अपनी जिंदगी प्यारी-सुहानी लगती है। जब दोस्त हमारे जीवन में इतना ज्यादा महत्व रखते हैं तो हमें अपनी दोस्ती हमेशा मिठास भरी और गहरी रखनी चाहिए, यह तभी संभव है, जब हम कुछ बातों का ध्यान रखेंगे।

पक्की दोस्ती-पक्का भरोसा

बच्चों, तुम अपने दोस्तों के साथ चॉकलेट्स, टॉफी और खिलौने शेयर करते हो। इन सब चीजों के अलावा बहुत-सी ऐसी बातें भी होती हैं, जिन्हें तुम सिर्फ अपने दोस्तों के साथ ही शेयर करते हो। कई बार तुम अपने हिडेन-सीक्रेट्स भी अपने फ्रेंड के साथ शेयर करते हो। तुम्हें यह भरोसा होता है कि तुम्हारा दोस्त 'राज को राज' रखेगा। ऐसे ही तुम्हारा कोई फ्रेंड तुम पर भरोसा करके तुमसे अपने सीक्रेट्स जरूर शेयर करता होगा, तुम उसको सलाह भी देते होगे, तुम्हारी सलाह वह मानता भी होगा। इसी को कहते है पक्की, गहरी दोस्ती। लेकिन यहां तुम्हें इस बात का विशेष ध्यान रखना है कि तुम्हें उसके सीक्रेट्स किसी और के सामने डिस्क्लोज नहीं करने हैं। याद रखो, अगर दोस्ती पक्की है तो भरोसा भी पक्का होना चाहिए।

कोशिश यही होनी चाहिए कि तुम कुछ भी ऐसा ना करो, जिससे तुम्हारे दोस्त का भरोसा टूटे।

जरूरत पड़ने पर फ्रेंड की हेल्प जरूर करो

अगर तुम्हारा फ्रेंड किसी प्रॉब्लम में है तो तुम्हें उसकी हेल्प जरूर करनी चाहिए। जैसे कि तुम्हारा फ्रेंड बीमारी या किसी अन्य वजह से स्कूल नहीं जा पा रहा है, तुम रेग्युलर स्कूल जा रहे हो, तो तुम अपने फ्रेंड को क्लास में जो पढ़ाया गया है, उसे ब्रीफ करो, नोट्स व्हाट्स-एप कर दो। अगर दोस्त तुम्हारे घर के पास रहता है तो तुम उसके घर जाकर भी स्कूल में जो पढ़ाई हुई है, उसके बारे में जानकारी दे सकते हो। इसके अलावा अलग-अलग सिचुएशंस में जरूरत के अनुसार तुम अपने फ्रेंड की हेल्प कर सकते हो।

कभी मदद का एहसास मत दिलाओ

अगर तुमने अपने किसी फ्रेंड की कभी कोई मदद की है या कोई फेवर किया है तो तुम उसे बार-बार इस बात का एहसास मत दिलाओ। अगर तुम ऐसा करते हो तो तुम्हारे फ्रेंड को बुरा लग सकता है। इसका बुरा असर तुम्हारी दोस्ती पर पड़ सकता है। यह कभी ना भूलो कि अपने दोस्त की मदद करना हमारा फर्ज है।

सही सलाह मानो और दो भी

बच्चों, सच्चे दोस्त हमारी हर बात पर 'हां में हां' नहीं मिलाते हैं। यदि उन्हें कोई बात गलत लगती है, जिससे हमारा नुकसान हो सकता है या इंप्रेशन खराब हो सकता है तो हमें बताते हैं, समझाते हैं। सच्चा दोस्त हमेशा हमारा हित सोचता है। इसलिए हम उस पर नाराज होने के बजाय, अपने सच्चे दोस्तों की अच्छी सलाह पर ध्यान दें, अमल में भी लाएं। जिस तरह हमें अपने दोस्त की अच्छी सलाहें माननी चाहिए, उसी तरह हमें उसको भी अपनी अच्छी सलाहें देनी चाहिए। अगर तुम्हारा फ्रेंड कोई गलत काम कर रहा है, यहां तक कि गलत संगत में पड़ रहा है या कुछ ऐसा कर रहा है, जिससे उसे या किसी को भी नुकसान हो सकता है, तो तुम उसे ऐसा करने से रोको। सच्चे दोस्त कभी अपने दोस्त को गलत मार्ग पर नहीं जाने देते।

नाराज दोस्त को मनाओ

सबसे पहले तो तुम अपने दोस्त से कुछ भी ऐसा मत बोलो या व्यवहार करो, जिससे उसे बुरा लगे और वह नाराज हो जाए। फिर भी अगर किसी वजह से तुम्हारा दोस्त तुमसे नाराज हो तो बिना देर किए उसे मना लो। बच्चों, दोस्ती का रिश्ता बहुत बड़ा होता है। सच्चे प्यारे दोस्त बहुत मुश्किल से मिलते हैं।

इनसे भी कहो हैप्पी फ्रेंडशिप-डे

बच्चों, सबके परिवार में कोई-ना-कोई ऐसा जरूर होता है, जो हमसे उम्र और रिश्ते में बड़ा होता है, लेकिन उसके साथ हमारा रिश्ता दोस्तों जैसा होता हैं। ये पापा-मम्मी, चाचा-चाची, मामा-मामी, मौसी, बुआ, भाई-बहन में से कोई भी हो सकता है। इन्हें भी तुम 'हैप्पी फ्रेंडशिप-डे' बोलो। तुम इन्हें फ्रेंडशिप-डे पर कार्ड, बुके या कोई प्यारा-सा गिफ्ट भी दे सकते हो। उन्हें बहुत अच्छा लगेगा। इससे इनके साथ तुम्हारी बॉन्डिंग बढ़ेगी।

सॉरी और थैंक यू जरूर बोलो

अकसर कहा जाता है कि दोस्ती में 'नो सॉरी, नो थैंक यू!' ये बातें हल्के-फुल्के मोमेंट्स के लिए तो ठीक है, लेकिन अगर तुमसे कभी कोई ऐसी गलती हो गई है, जिससे तुम्हारे फ्रेंड को दुख पहुंचा है, तो तुम उसे 'सॉरी' जरूर बोलो। ऐसे ही अगर तुम्हारे फ्रेंड ने कभी तुम्हारी कोई मदद की है, तो उसे 'थैंक यू' बोलकर गले जरूर लगाओ। यह बात उसे अच्छी-प्यारी लगेगी, उसे फीलिंग से भर देगी। अपने फ्रेंड के साथ तुम्हारी बॉन्डिंग बढ़ेगी। *

इंस्पिरेशन / हर्ष रमेश

प्रकृति सबसे प्यारी सबसे न्यारी दोस्त

बच्चों, अगर देखा जाए तो सबसे गहरी दोस्ती हमारी प्रकृति से ही है। वह हमें जो देती है, अमूल्य है। इस दोस्त के प्रति हमारा कुछ फर्ज भी बनता है। आओ, इस मित्रता दिवस पर हम अपने फर्ज निभाने का संकल्प लें।

सावन का महीना है। रिमझिम फुहारों के साथ हमें चारों तरफ हरियाली ही हरियाली दिखती है, मन प्रसन्न हो जाता है। कुछ ऐसी प्रसन्नता मिलती है, जैसे दोस्तों के साथ मिलती है। बच्चों, प्रकृति भी हमारी दोस्त है। लेकिन हम अपने स्कूल और पड़ोस के दोस्तों की चर्चा तो खूब करते हैं, लेकिन अपने बहुत ही करीबी दोस्त प्रकृति को भूले रहते हैं, जबकि वह सृष्टि के जन्म से हमारी बहुत प्यारी, बहुत ही उपयोगी-महत्वपूर्ण दोस्त है। फ्रेंडशिप-डे करीब है। हम इस दोस्त को जरूर याद करें।

ऐसी दोस्त, जो देती है जीवन: बच्चों, पेड़-पौधे हमारे सच्चे दोस्त हैं। यह दोस्ती जितनी पुरानी है, उतनी ही मजबूत है। इस दोस्ती के बगैर हम एक पल भी जीवित नहीं रह सकते। सोचो जरा, अगर पेड़-पौधे नहीं होंगे तो हमें ऑक्सीजन कहां से मिलेगी? जब हमें ऑक्सीजन नहीं मिलेगी तो हम जीवित कैसे रहेंगे? प्रकृति हमारी ऐसी दोस्त है, जो हमें जीवन देती है।

हमारा भरण-पोषण करती है: जीवन देने के साथ प्रकृति हमारा भरण-पोषण भी करती है। एक समय था, जब इंसान पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर था। पेड़ों से मिलने वाले फल-फूल, कंदमूल खाकर वह अपनी भूख मिटाता था। नदियों का पानी पीता था। पहाड़ों में बनी गुफाओं में रहता था। पेड़ों की छाल से अपना तन ढंकता था। पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों से ही अपनी बीमारियों का इलाज करता था। जंगली जानवरों से बचने के लिए पेड़ों पर अपना घर बना लेता था। इस तरह प्रकृति ने ही मानव जाति के विकास का रास्ता बनाया। आज विज्ञान और तकनीक काफी विकसित हो गई है। इसके बावजूद पेड़-पौधों, नदियों और मिट्टी में दबे संसाधनों पर हमारी निर्भरता कम नहीं हुई है।

हमने अपने दोस्त से लिया, दिया कुछ नहीं: प्रकृति ने हर स्थिति में मानव से अपनी दोस्ती निभाई है। उसने तरह-तरह के फल-फूल दिए हैं। लेकिन शायद हमारी ओर से दोस्ती में कमी रह गई है। हमने प्रकृति का ख्याल उस तरह नहीं रखा, जिस तरह प्रकृति हमारा रखती है। हमने अपनी दोस्त प्रकृति से सिर्फ लिया, दिया कुछ नहीं। तभी तो आज नदियां दूषित हैं, सूख रही हैं। समुद्र प्लास्टिक कचरे से भरे हैं। आज जगह-जगह कचरे के पहाड़ नजर आते हैं। दुर्गंध फैली रहती है। हवा में इतना प्रदूषण है कि सांस लेना मुश्किल हो गया है। हमारी पृथ्वी की मिट्टी रसायनों के अधिक प्रयोग से अपनी उर्वर क्षमता खो रही है।

हम चुकाएं दोस्ती का मोल: बच्चों, आज वक्त आ गया है कि हम प्रकृति से अपनी सच्ची दोस्ती का मोल चुकाएं। उसका ख्याल उसी तरह रखें, जिस तरह वह हमारा ख्याल रखती है। हम सबसे पहले वृक्ष लगाकर अपनी धरती हो हरा-भरा बनाए रखें। इसे सुंदर-स्वच्छ रखकर प्रकृति के प्रति अपनी दोस्ती का फर्ज निभाने का संकल्प लें। इसके लिए मित्रता दिवस से अच्छा कौन सा दिन हो सकता है? यह नायाब तरीका भी होगा। *

जीके क्विज-115

1. पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पहला मेडल (ब्रॉन्ज) किसने जीता?
2. हाल में 'ओलंपिक ऑर्डर' से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन हैं?
3. पिछले दिनों दुनिया की पहली हाई-स्पीड कार्बन फाइबर ट्रेन का अनावरण किस देश ने किया है?
4. दीपिका कुमारी का संबंध किस खेल से है?
5. भारत का सर्वाधिक साक्षर राज्य कौन सा है?
6. कोशिका का पावर हाउस किसे कहा जाता है?
7. भारत रत्न से सम्मानित पहले विदेशी नागरिक कौन थे?
8. एनीमिया नामक रोग शरीर में किस तत्व की कमी से होता है?
9. डूरंड कप का संबंध किस खेल से है?
10. उज्जैन जिला किस नदी के किनारे बसा है?

जीके क्विज-114 का उत्तर : 1. 26 जुलाई, 2.अभिनव बिंद्रा, 3.डिक शूफ, 4.के. पी. शर्मा ओली, 5.गुजरात, 6.विष्णु शर्मा, 7.मिजोरम, 8.मंगोलिया, 9.हाइड्रोजन, 10.जेवलिन थ्रो

जीके क्विज-114 का सही उत्तर देने वाले : देव साहू-बालोद, कबीर-हिसार, नारायण-मनकी, देवेश-चंदली, बिंदा ध्रुव-बलौदा बाजार, क्षमानिधि-ईमेल से, अनिल-अनूपपुर, राजेश-जशपुर, पृथ्वीराज-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, मानवी मधुकर-बिलासपुर, संदीप-ईमेल से, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद

हंसगुल्ले

नव्या : रात को सूरज क्यों नहीं दिखाई देता है?
नैंसी : क्योंकि वह पूरे दिन आसमान में घूम-घूमकर थक जाता है, इसलिए रात को सो जाता है।

-खुशबू, रायपुर

टीचर : न्यूटन का नियम बताओ।
राजू : सर, पूरा तो याद नहीं, लास्ट की लाइन याद है।
टीचर : चलो, लास्ट की ही सुनाओ।
राजू : ...और इसे ही न्यूटन का नियम कहते हैं।

-तनुजा, रोहतक

चिंटू : मम्मी, आपके लिए मेरी कीमत क्या है?
मम्मी : बेटा, तुम्हारी कीमत तो मेरे लिए लाखों-करोड़ों से भी ज्यादा है।
चिंटू : तो उन्हीं लाखों-करोड़ों में से मुझे बीस रुपये दे दीजिए, बाहर आइसक्रीम वाला आया है।

-अमन, कोरबा

कहानी

रेखा शाह आरबी

गोलू की मम्मी ने जब उसके कमरे की सफाई के दौरान उसकी टूटी हुई गुल्लक देखी तो चौंकीं-पैसों की ऐसी क्या जरूरत आ गई, जो गोलू ने अपनी गुल्लक तोड़ दी? उन्हें चिंता हुई, कहीं गोलू को कोई बुरी लत तो नहीं लग गई? लेकिन जब मम्मी को गुल्लक तोड़ने की वजह पता चली तो उन्हें गोलू पर बहुत गर्व महसूस हुआ। ऐसा क्या बड़ा काम किया गोलू ने?

टूटी गुल्लक

गोलू बहुत ही नेक बच्चा है। वह सबकी भलाई सोचता है। उनकी मदद के लिए जो कर सकता है, करता है। गोलू पढ़ाई में भी बहुत होशियार है। सिक्स्थ क्लास में पढ़ने वाले गोलू को उसके सभी क्लासमेट्स और टीचर्स बहुत प्यार करते हैं। वह अपनी मम्मी का भी बहुत दुलारा है। गोलू अपनी मम्मी से हर छोटी-बड़ी बात शेयर करता है।

एक दिन गोलू के कमरे की सफाई करते समय मम्मी को दराज में गोलू के गुल्लक के टूटे हुए टुकड़े मिले। वह सोच में पड़ गईं, 'आखिर ऐसी कौन-सी जरूरत आ पड़ी, जो गोलू ने अपनी गुल्लक तोड़ दी, मुझे कुछ बताया भी नहीं। क्या किया होगा गोलू ने उन पैसों का? उसे कहीं कोई गलत लत तो नहीं लग गई है?'

मम्मी के मन में गोलू और टूटी गुल्लक को लेकर कई तरह की शंकाए हुईं। गोलू के स्कूल से आने में अभी कुछ समय बाकी था। मम्मी को यह समय काटना मुश्किल हो रहा था। स्कूल की छुट्टी के बाद जब गोलू घर आया तो मम्मी ने तुरंत कुछ नहीं पूछा। कपड़े बदलने और खाना खाने के बाद गोलू ने कुछ देर आराम किया। जब गोलू पढ़ने बैठा तो मम्मी ने उसके सामने टूटी गुल्लक के टुकड़े रख दिए। अचानक से अपने सामने गुल्लक के टुकड़े देखकर गोलू सकपका गया।

मम्मी ने संयमित स्वर में पूछा, 'गोलू, तुमने अपनी यह गुल्लक क्यों फोड़ दी? आखिर ऐसी कौन-सी जरूरत आ गई, जो तुम्हें ऐसा करना पड़ा? तुमने हमें कुछ बताया भी नहीं, जबकि तुम मुझसे अपनी एक-एक बात शेयर करते हो।'

कुछ देर चुप रहने के बाद गोलू बोला, 'सॉरी मम्मी, मैंने आपसे छुपाकर गुल्लक तोड़ी। मम्मी, मैं गुल्लक तोड़ना नहीं चाहता था लेकिन तोड़नी पड़ गई। आप मेरे दोस्त राजू को तो जानती हैं, जिसके छोटे भाई को मैं अपनी पिछली क्लास की सारी किताबें हर साल दे दिया करता हूं।'

'हां, जानती हूं राजू को। फिर...?' गोलू के चेहरे की तरफ देखते हुए मम्मी बोलीं।

'राजू पिछले कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा था। जब मैंने उसके भाई से पूछा तो उसने मुझे बताया कि उसके पापा जिस रिक्शे को चलाकर पूरे परिवार के लिए कमाई करते थे, वह रिक्शा एक दिन एक्सीडेंट में बुरी तरह टूट गया। पिताजी ने राजू के छोटे भाई की तो किसी तरह स्कूल फीस जमा कर दी, लेकिन पैसे नहीं होने की वजह से राजू की फीस नहीं जमा कर सके। इस कारण उसका स्कूल से नाम कट गया।' गोलू ने बहुत उदास होकर मम्मी को बताया।

'ओह... !' यह सुनकर मम्मी को भी बहुत दुख हुआ।

गोलू आगे बोला, 'मम्मी, राजू पढ़ाई-लिखाई में बहुत होशियार है। वह मन लगाकर पढ़ाई करता है। मैं नहीं चाहता था कि मात्र कुछ पैसों के लिए उसकी पढ़ाई बंद हो जाए। इसीलिए मैंने अपनी गुल्लक तोड़कर उसकी फीस भर दी।'

यह सुनकर मम्मी की आंखें भर आईं। उन्होंने प्यार से गोलू का माथा चूम लिया। सच्चाई जानने के बाद उन्हें गोलू पर खूब प्यार आ रहा था। गोलू के सिर पर हाथ फेरते हुए मम्मी बोलीं, 'गोलू, तुमने राजू की फीस भरकर बहुत अच्छा काम किया बेटा। इस तरह अपने दोस्त की मदद करना बहुत बड़ी बात है। कल सुबह मैं और पापा तुम्हारे साथ राजू के घर चलेंगे। हम राजू के पापा के रिक्शे की मरम्मत करवा देंगे ताकि उनकी कमाई शुरू हो सके। उन्हें कोई परेशानी नहीं हो।'

गोलू ने जब यह सुना तो खुश होकर मम्मी के गले से लिपट गया। उन्होंने भी उसे अपने आंचल में भर लिया। मम्मी को गोलू पर बहुत गर्व महसूस हो रहा था। वह बहुत प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'शाबाश मेरे लाल! तुम्हारी यह दोस्ती बनी रहे।' *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

सुनो रे साथी

अक्कड़-बक्कड़ आती-पाती।
सुनो रे साथी, सुनो संघाती।
हम बच्चे हैं देश का गहना।
हमको है हिलमिल कर रहना।
मुश्किल में धीरज ना खोना
सुख-दुःख है मिलजुल कर सहना।
आसमान का यही संदेशा
धरती माता यही बताती।
सुनो रे साथी, सुनो संघाती।
राह कंटीली जाना होगा
आफत से टकराना होगा,
बाधाओं से लड़ते-भिड़ते
हमको मंजिल पाना होगा।
जैसे चट्टानों से लड़ती
धार नदी की बहती जाती।
सुनो रे साथी, सुनो संघाती।
ऊंच-नीच का कुछ न अर्थ है,
जात-पात की बात व्यर्थ है,
झूठ बोलना, हिंसा करना
सब धर्मों में ही अनर्थ है
यही है शिक्षा गुरुग्रंथ में
बाइबिल, गीता यही सिखातीं।
सुनो रे साथी, सुनो संघाती।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं, लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सारे अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट पांचों अंतर खोजो।

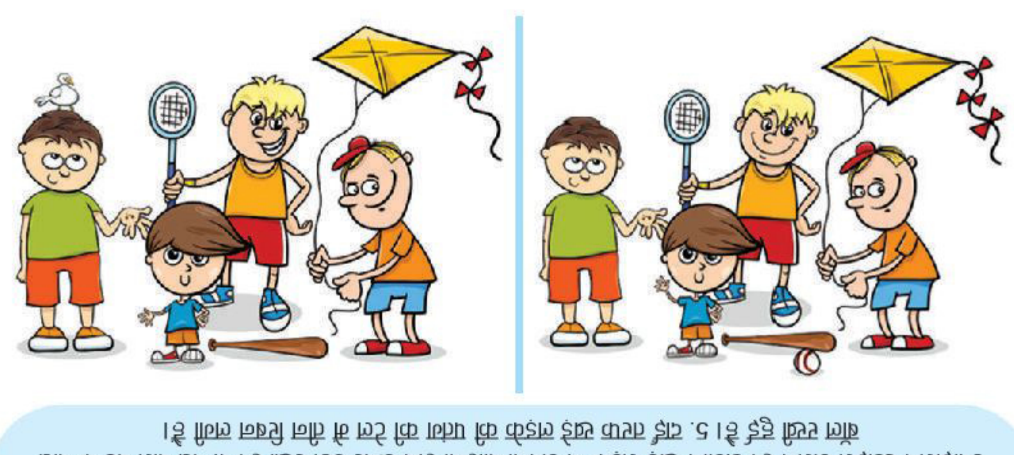

उत्तर: 1. बाईं तरफ खड़े लड़के के सिर पर चिड़िया नहीं है। 2.पीछे हाथ में बैडमिंटन-रैकेट लिए हुए लड़के का स्माइलिंग स्टाइल अलग है। 3.आगे खड़े लड़के ने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठा रखा है। 4. बेस बॉल बैट के पास बॉल रखी हुई है। 5. दाईं तरफ खड़े लड़के की पतंग की टेल में तीन रिबन लगी है।

सही रास्ता खोजो

बच्चों, रोहन को अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट करना है, लेकिन वह अपने दोस्तों तक पहुंचने का रास्ता भूल गया है। तुम रोहन को उसके दोस्तों तक पहुंचने में मदद तो करो।

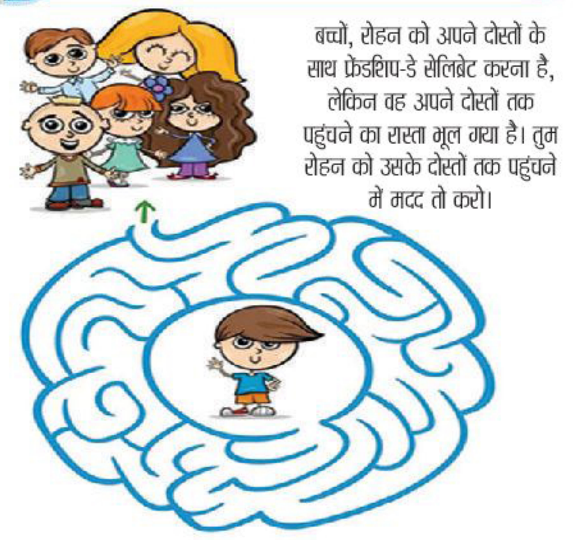

एक समान चित्र खोजो

बच्चों, यहां कई लड़के और लड़कियों के चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो बच्चों के चित्र बिल्कुल एक समान हैं। ध्यान से देखो और एक समान दिखने वाले दोनों चित्रों को खोजकर उनके चारों ओर पेन या पेंसिल से सर्किल बनाओ।

चीन के झानले ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

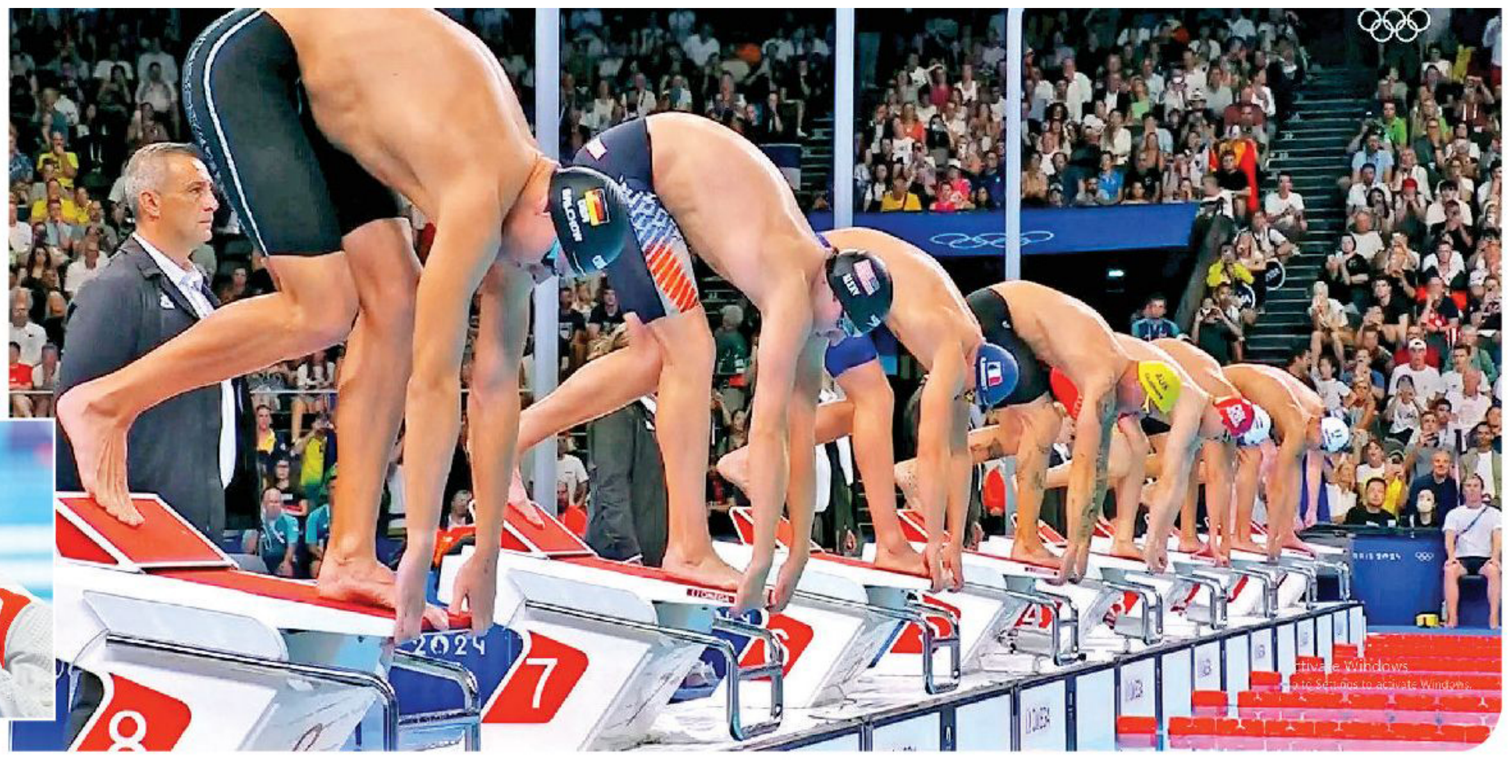

नानटेरे। चीन के पैन झानले ने पेरिस ओलंपिक की तैराकी प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 46.40 सेकंड का समय लेकर अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार करके स्वर्ण पदक जीता।
पेरिस ओलंपिक में तैराकी प्रतियोगिता पिछले चार दिन से चल रही है लेकिन इससे पहले कोई विश्व रिकॉर्ड नहीं बना था। चीन का यह वर्तमान ओलंपिक खेलों में तैराकी में यह पहला स्वर्ण पदक है। पैन ने इससे पहले फरवरी में दोहा में विश्व चैंपियनशिप में 46.80 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के काइल चाल्मर्स ने 47.48 सेकंड का समय लेकर रजत और रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 47.49 का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

ओलंपिक : पदक तालिका

क्र.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	11	7	3	21
2	फ्रांस	8	10	8	26
3	जापान	8	3	4	15
4	ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
5	अमेरिका	6	13	12	31
42	भारत	0	0	3	03

आज के कार्यक्रम

गोल्फ : पुरुषों के व्यक्तिगत फाइनल्स (दूसरा दौर) : शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर - दोपहर 12.30 बजे
निशानेबाजी : महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन प्रिसिजन: ईशा सिंह और मनु भाकर - दोपहर 12.30 बजे, पुरुषों की स्कीट क्वालीफिकेशन पहला दिन: अनंतजीत सिंह नरुका - दोपहर 1.00 बजे
तीरंदाजी : मिश्रित टीम (1/8 एलीमिनेशन) : भारत (धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत) बनाम इंडोनेशिया - दोपहर 1.19 बजे
नौकायन : पुरुषों का सिंगल स्कल्स फाइनल (फाइनल डी): बलराज पंवार - दोपहर 1.48 बजे
जूडो : महिलाओं का प्लस 78 किग्रा (एलीमिनेशन राउंड ऑफ 32): तूलिका मान बनाम इडालिस ओर्टिज (क्यूबा) - दोपहर 2.12 बजे
पाल नौकायन: महिला डिंगी (रेस तीन): नेत्रा कुमानन - दोपहर 3.45 बजे, महिला डिंगी (रेस चार): नेत्रा कुमानन - शाम 4.53 बजे, पुरुष डिंगी (रेस तीन): विष्णु सरवनन - शाम 7.05 बजे, पुरुष डिंगी (रेस चार): विष्णु सरवनन - रात 8.15 बजे
हॉकी: पुरुष टूर्नामेंट (ग्रुप चरण) : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - शाम 4.45 बजे
बैडमिंटन: पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल: लक्ष्य सेन बनाम चाउ टिएन चेन (चीनी ताइपे) - शाम 6:30 बजे
एथलेटिक्स : महिला पांच हजार मीटर (हीट एक): अंकिता ध्यानी - रात 9.40 बजे, महिला पांच हजार मीटर (हीट दो): पारुल चौधरी - रात 10.06 बजे, पुरुष गोला फेंक (क्वालीफिकेशन): तेजिंदरपाल सिंह तूर - रात 11.40 बजे

हार... हार... हार..., बैडमिंटन-मुक्केबाजी हॉकी खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

रॉयल पत्रिका

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक के प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी को 64 मिनट चले मुकाबले में दुनिया की सातवें नंबर की चिया और सोह जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार मिली। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चिया और सोह के खिलाफ 12 मैच में यह भारतीय जोड़ी की नौवीं हार है। हार से पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय जोड़ी का पदक जीतने का सपना टूट गया।

बढ़त बनाने के बाद बेल्जियम से हारी भारतीय हॉकी टीम

हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन बेल्जियम ने गुरुवार को पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2-0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था। क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिए अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढ़त बरकरार रखी।

निकहत जरीन का पदक जीतने का सपना टूटा

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किलो) का ओलंपिक पदक जीतने का सपना एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से 0-5 से अप्रत्याशित और एकतरफा हार के साथ खत्म हो गया। निकहत का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें वरीयता नहीं मिली थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ को मान्यता नहीं देती जो विश्व चैंपियनशिप कराता है। भारत की पदक की सबसे प्रबल दावेदारों में से एक निकहत को बेहद कठिन ड्रॉ मिला था।

20 किमी पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों ने किया निराश

भारतीय खिलाड़ियों का गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष और महिला दोनों वर्ग की 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमश: 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रही। उन्होंने एक घंटा 39 मिनट और 55 सेकंड का समय निकाला।

पेरिस की खबरें

अपने 'स्वैग' से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तुर्की का निशानेबाज

शेटराउ। एक हाथ जेब में डाले, बिना किसी सुरक्षा गियर के, बिना कोई विशेष लेंस पहने, अपने रोजमर्रा के चश्मे के साथ एकदम सहजता से पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले तुर्की के पिस्टल निशानेबाज युसूफ डिकेच के 'स्वैग' के चर्चे सोशल मीडिया पर खूब हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर काफी वायरल हो गई है जिसमें वह सफेद रंग की टी शर्ट पहने एक हाथ जेब में डाले निशाना साध रहे हैं। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता जो ओलंपिक निशानेबाजी में तुर्की का पहला पदक है। यह वही स्पर्धा है जिसमें भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने कांस्य पदक जीता था। 51 वर्ष के युसूफ ने कहा, 'मैं अब 2028 में स्वर्ण लेने की कोशिश करुंगा।'

तीरंदाज जाधव पहले दौर में हारे

भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव गुरुवार को यहां व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ सीधे सेट में हार के साथ पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए। जाधव को राउंड ऑफ 64 में 0-6 (28-29, 29-30, 27-28) से शिकस्त का सामना करना पड़ा। जाधव ने मुकाबले के दौरान चार बार 10 अंक जुटाए लेकिन चीन का तीरंदाज तीनों सेट में भारतीय खिलाड़ी को एक अंक से पछाड़ने में सफल रहा। जाधव की हार के साथ पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय अभियान समाप्त हो गया क्योंकि अनुभवी तरुणदीप राय और धीरज बोम्मदेवरा पहले ही अपने नॉकआउट मैच हार चुके हैं।

लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में, सिंधू बाहर

पेरिस। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पदक के प्रबल दावेदार पीवी सिंधू विपरीत अंदाज में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंग जियाओ के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा जिससे उनका लगातार तीन ओलंपिक में व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का सपना भी टूट गया।

खबर संक्षेप

कुसाले को मिलेगा एक करोड़ रुपए का पुरस्कार

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की।
कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के पेरिस ओलंपिक में कुल पदकों की संख्या तीन हो गई। शिंदे ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कुसाले के पिता और कोच से बात की थी।

माही की तरह कुशल रणनीतिकार हैं रोहित

मुंबई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सफेद गेंद के प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी की ही तरह कुशल रणनीतिकार है और इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक भी हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 विश्व कप जीता। रोहित भारत के सबसे सफल टी20 कप्तान भी बन गए जिनकी कप्तानी में भारत ने 62 में से 49 मैच जीते।

मेरे पसंदीदा गेंदबाज बुमराह हैं : धोनी

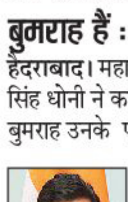

हैदराबाद। महान बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह उनके पसंदीदा गेंदबाज हैं लेकिन उन्होंने पसंदीदा बल्लेबाज के बारे में पूछने पर विराट कोहली और रोहित शर्मा में से एक को चुनने से इनकार किया। यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान धोनी ने कहा, 'मेरा पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है क्योंकि वह बुमराह हैं। बल्लेबाज चुनना कठिन है क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज हैं। इसके मायने यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छे नहीं है।'

पुरुष रिले टीम और साबले से अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

रॉयल पत्रिका

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि बेशक सभी की निगाहें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर होंगी लेकिन भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम स्पर्धा में और स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले पेरिस ओलंपिक में सबको हैरान कर सकते हैं।

चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स दल पेरिस ओलंपिक में 16 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। अंजू ने गुरुवार को 'जियो सिनेमा' द्वारा आयोजित मीडिया से बातचीत में कहा, 'अब एथलेटिक्स में हर कोई एक नाम (नीरज चोपड़ा) जानता है। लेकिन अन्य एथलीट अविनाश साबले, चार गुणा 400 मीटर रिले टीम और किशोर जेना (भाला फेंक) से भी उम्मीद है। हम पदक की भविष्यवाणी नहीं कर सकते। लेकिन ये सभी स्पर्धाएं फाइनल्स हैं जो साबित करती हैं कि हम सही रास्ते पर हैं।'

एनसीए में क्रिकेटरों के लिए सत्र का आयोजन

बेंगलुरु। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किए जाने के मद्देनजर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने खेलों में डोपिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गुरुवार को यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में भारतीय क्रिकेटरों के लिए सत्र आयोजित किया। क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने के बाद विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी वाडा अन्य खेलों की तरह भारतीय क्रिकेटरों पर भी नजर रखेगी और ऐसे में उनका डोपिंग रोधी नियमों से अवगत होना जरूरी है।

जीत के बाद सरबजोत ने खाए डोसा और गोलगप्पे

पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने 'इंडिया हाउस' पहुंचने पर सबसे पहले कुछ खाने के लिए मांगा जिसके बाद उनके सामने गोल गप्पे, भेल और डोसा परोसे गए। सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ इसके तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे। 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने यहां आतिथ्य गृह 'इंडिया हाउस' बनाया गया है। यहां पर बिरयानी और मटन करी से लेकर दही चावल तथा मिठाइयों तक भारतीय भारतीय व्यंजन भी परोसे जाते हैं।

शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियाटेक हारकर बाहर

रॉयल पत्रिका

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियाटेक गुरुवार को पेरिस ओलंपिक की महिला टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल में चीन की झेंग किनवेन से हारकर बाहर हो गईं। झेंग ने पिछले पांच साल में चार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली स्वियाटेक को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियाटेक के लिए यह करारा झटका था। डब्लूटीए रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज झेंग जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहीं थीं।शनिवार के स्वर्ण पदक मैच में 21 वर्षीय झेंग का सामना क्रोएशिया की 13वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिच और स्लोवाकिया की गैर वरीय अन्ना करोलिना श्मीडलोवा के बीच मुकाबले की विजेता से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी : 7 करोड़ डॉलर का बजट मंजूर

कराची। आईसीसी ने पाकिस्तान में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए करीब सात करोड़ डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। आईसीसी के एक करीबी सूत्र ने बताया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की वित्त और वाणिज्य समिति ने बजट को मंजूरी दी। सूत्र ने कहा, 'अनुमानित बजट करीब सात करोड़ डॉलर का है और सिर्फ 45 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च के लिए आवंटित किए गए हैं।' कुल बजट और अतिरिक्त खर्च रकम को लेकर आईसीसी की पिछली बैठक में काफी अटकलें थी कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आती है तो कुछ मैच अन्यत्र कराने के लिए बैकअप कोष रखा जाएगा। सूत्र ने कहा कि इसके लिए 45 लाख डॉलर काफी कम हैं।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे में आज रोहित-कोहली पर नजरें

राहुल बनाम पंत मसला सुलझाने उतरेगा भारत

रॉयल पत्रिका

गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में यह फैसला करने का मौका होगा कि केएल राहुल और ऋषभ पंत में से कौन वनडे क्रिकेट में भारत का लंबे समय तक विकेटकीपर बल्लेबाज होगा।

इस श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर भी निगाहें टिकी रहेंगी जो टी20 विश्व कप में जीत के बाद पहली बार कोई मैच खेलेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन बाहर चल रही चर्चाओं पर ध्यान दिए बिना उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि इस सत्र में चैंपियंस ट्राफी सहित कुछ महत्वपूर्ण वनडे प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस संदर्भ में राहुल बनाम ऋषभ का मसला निश्चित तौर पर प्राथमिकता में होगा। पंत के चोट से उबरकर वापसी करने से पहले राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी। उन्होंने विकेट के आगे और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन किया था। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व वाले पिछले टीम प्रबंधन ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया था। लेकिन अब जबकि पंत की वापसी हो गई है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता देते हैं या पिछले टीम प्रबंधन की तरह राहुल पर ही विश्वास बनाए रखते हैं। अगर गंभीर और कप्तान रोहित इन दोनों बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में बनाए रखने का फैसला करते हैं तो तब उन्हें इस पर विचार करना होगा कि श्रेयस अय्यर को कैसे टीम में फिट किया जाए जो 50 ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।

दुबे पर पराग का पलड़ा भारी

भारत नंबर छह बल्लेबाज के रूप में शिवम दुबे या रियान पराग में से किसी को मौका दे सकता है। इसमें पराग का पलड़ा भारी लग रहा है क्योंकि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में गेंदबाज की भूमिका भी निभाई थी। दूसरी तरफ पांच साल पहले वनडे मैच खेलने वाले दुबे ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में केवल एक मैच खेला और उसमें भी उन्होंने गेंदबाजी नहीं की। गंभीर इसके अलावा रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर भी निगाह बनाए रखेंगे क्योंकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए टीम तैयार करनी है।

गोल्फर दीक्षा पेरिस में कार दुर्घटना में घायल होने से बचीं, तय कार्यक्रम के अनुसार खेलेंगी

रॉयल पत्रिका

पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर की कार को अन्य वाहन ने टक्कर मार दी लेकिन गनीमत है कि इस दुर्घटना में उन्हें कोई चोट नहीं लगी जिससे वह अपनी स्पर्धा में तय कार्यक्रम के अनुसार हिस्सा लेंगी। दीक्षा अगले हफ्ते बुधवार को प्रतियोगिता में खेलने उतरेंगी। कार में डागर परिवार दीक्षा, उनके पिता और कैडी कर्नल नरेन डागर, उनकी मां और भाई थे। मंगलवार रात 'इंडिया हाउस' में एक समारोह से लौटते समय एक अन्य वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। उनके पिता उनके कैडी भी हैं जिन्हें इस दुर्घटना में कोई चोट नहीं आई है। दीक्षा के भाई को मामूली चोटें आई हैं जबकि उनकी मां के पीठ में चोट लगी है जिससे उन्हें

अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां वह निगरानी में हैं। दीक्षा ने गोल्फ कोर्स में कुछ घंटे अभ्यास किया, वह यहां पिछले महीने भी आई थीं। इस गोल्फर ने कहा कि उनकी मां ठीक हो रही हैं और उनके पिता अस्पताल में हैं। भारतीय गोल्फ संघ का एक अधिकारी भी कोर्स में दीक्षा के साथ था।

बादल फटने से कई मकान जमींदोज, स्कूल डूबे और पहाड़ भी दरके

रॉयल पत्रिका

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। गुरुवार को कुल्लू और मंडी में बादल फटने की घटना हुई है। जगह-जगह जलभराव की स्थिति है। नदियां उफान पर हैं।

कई मकान जमींदोज हो गए। कई स्कूल तेज बहाव में बह गए हैं। आनी के निरमंड में 2जगह, कुल्लू के मलाणा, मंडी जिले के थलटूखोड़, लाहौल के जाहलमा व चंबा जिले में बादल फटे हैं। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 50 से अधिक लोग अभी लापता हैं। अब तक 4 शव बरामद हुए हैं। इनमें से 2 थलटूखोड़ व दो बागीपुल क्षेत्र से बरामद हुए हैं। बादल फटने से करीब 4 पुल व 15 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंडी जिले में 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। कुल्लू में भी सभी शिक्षण संस्थान 2 अगस्त के लिए बंद कर दिए गए हैं।

हिमाचल में पहाड़ से मैदान तक प्रकृति की तबाही

केरल के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी राहत अभियान चला रही सेना

भारतीय सेना ने केरल के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी राहत और बचाव अभियान की शुरुआत कर दी है। बादल फटने के बाद आई बाढ़ में शिमला और मंडी जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। सेना के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि केरल में 1 अगस्त को मेजर जनरल वीटी मैथ्यू और ब्रिगेडियर अर्जुन सेगन ने सीएम पिनराई विजयन और उनके सहयोगी मंत्रियों को सेना द्वारा चलाए जा रहे राहत अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सेना शिमला और मंडी में भी राहत अभियान चलाने में जुट गई है। बल ने अब तक एक हजार से अधिक लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया है।

केदारघाटी में भारी नुकसान

उत्तराखंड में 10 लोगों की मौत, 4 लापता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बुधवार को हुई भारी बारिश से कई जगह जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग लापता हैं। टिहरी में तिलवाड़ा पुल बह गया है। जंगलचट्टी से भीमबली के बीच लिंचोली के पास बादल फटने से मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशाने से ऊपर पहुंच गया है। गौरीकुंड और सोनप्रयाग में बाजारों के साथ होट और लॉज को खाली करवा दिया। तप्तकुंड और केदारनाथ पैदल मार्ग को करीब 30 मीटर हिस्सा बह गया है। गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच चट्टान रास्ते पर गिरने की भी सूचना है। टिहरी के घनसाली में भिलंगना ब्लॉक के नौताड़ तोक में एक छोटा होटल ढहने से दंपती भानु व नीलम की मौत हो गई। गैरसैंण के रोहिड़ा में एक मकान पर मलबा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी ओर चमोली के बेलचोरी में मकान ढहने से दो लोग लापता हो गए हैं। देहरादून शहर में बुधवार शाम से शुरू हुई तेज बारिश देर रात तक जारी रही। कुछ ही देर में नालापानी में सड़क पर पानी इतना तेज बहने लगा कि दो लोग बहकर लापता हो गए।

रात भर से बारिश जारी जयपुर भी पानी-पानी 11 जिलों में अलर्ट

जयपुर। जयपुर में सीजन की सबसे ज्यादा बरसात हुई है। बुधवार देर रात से जारी बारिश गुरुवार तकजारी रही। सुबह साढ़े पांच बजे तक ही जयपुर में 133 एमएम यानी चार इंच बारिश रिकॉर्ड हो चुकी। द्रव्यवती नदी अपने पूरे उफान पर है।

अगस्त, सितंबर में भी जमकर बरसेंगे बादल आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग की मानें तो भारत में अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि अगस्त के अंत तक अल-नीना की अनुकूल स्थितियां देखने को मिल सकती हैं।

खबर संक्षेप

शाह से मिले चार राज्यों के राज्यपाल

नई दिल्ली। राजस्थान, नगालैंड, मेघालय और गोवा के राज्यपालों ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। संसद स्थित गृह मंत्री के कार्यालय में राज्यपालों ने शाह से अलग-अलग मुलाकात की। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह के कार्यालय ने यह जानकारी दी।

एनबीसीसी के डीजीएम भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनबीसीसी के एक उप महाप्रबंधक को एक ठेकेदार से 5 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में तैनात आरोपी डीजीएम वरुण पोपली ने ठेकेदार से कथित तौर पर 11 लाख की मांग की थी। वह कथित तौर पर दिल्ली में 5 लाख रुपए का आंशिक भुगतान करने के लिए सहमत हो गया।

पूजा की एंटीसेपेट्री बेल की अर्जी खारिज

नई दिल्ली। धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में आरोपी पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को पटियाला हाउस कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया है। पूजा का कहना था कि उसे डर है कि इस मामले में यूपीएससी की शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर में पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।

राजस्थान सरकार भी लाएगी यूसीसी बिल

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसकी कोई भी समय सीमा नहीं बताई है। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने सरकार से पूछा कि क्या वह उत्तराखंड की तर्ज पर यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की प्लानिंग कर रही है तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विचार कर रहे हैं।

शरद गुट के नेता जितेंद्र की गाड़ी पर हमला

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर स्वराज संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को हमला कर दिया। कुछ दिन पहले जितेंद्र आव्हाड ने एक निजी चैनल से बातचित में शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति संभाजी राजे के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इसी बयान के विरोध में 3 कार्यकर्ताओं ने आव्हाड की गाड़ी पर हमला कर दिया।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री ने कहा

राज्य सरकारें ई-नीलामी में भाग लिए बिना एफसीआई से खरीद सकती हैं अनाजः जोशी

केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत ब्रांड के तहत चावल, आटे की बिक्री जारी रहेगी

रॉयल पत्रिका

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा कि अनाज की कमी वाले राज्य 1 अगस्त से ई-नीलामी में भाग लिए बिना खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू)(ओएमएसएस [डी]) के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से सीधे खरीद कर सकते हैं। नए खरीद सत्र के शुरू होने से पहले स्टॉक के विशाल अधिशेष को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

ओएमएसएस (डी) के तहत, भारत सरकार का खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग सीधे राज्यों को 2,800 रुपए प्रति क्विंटल (परिवहन लागत को छोड़कर) की दर से अनाज बेचेगा। जोशी ने कहा कि यदि राज्य/केंद्र शासित प्रदेश प्रति व्यक्ति निर्धारित 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज से अधिक खरीदना चाहते हैं, तो वे इसे पहले के 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के बजाए 2,800 रुपए प्रति क्विंटल की समान कीमत पर खरीद सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'भारत' ब्रांड के तहत आटा और चावल की बिक्री जो 30 जून, 2024 तक चलने वाली थी, जारी रहेगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2024 से पांच साल की अवधि के लिए पीएमजीकेएवाई के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों (यानि अंत्योदय अन्न योजना परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न प्रदान करने को जारी रखने का फैसला किया है, जिसका अनुमानित वित्तीय परिव्यय 11.80 लाख करोड़ है, जिसे पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह अब तक का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है। 2023-2024 में वितरित खाद्यान्न की मात्रा 497 एलएमटी है और जून 2024 तक केंद्र सरकार ने 125 एलएमटी खाद्यान्न वितरित किया है। देश में एनीमिया और पोषण की कमी को दूर करने जोशी ने कहा कि पीएमजीकेएवाई योजना के तहत सरकार ने तीनों चरणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और सरकार की हर योजना में पारंपरिक रूप से तैयार चावल को पौष्टिक अवयवों से युक्त चावल से बदल दिया गया है और मार्च, 2024 तक पौष्टिक अवयवों से युक्त चावल के वितरण का 100 फीसद कवरेज हासिल कर लिया गया है। एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड के बारे में जोशी ने कहा कि अब तक देशभर में 145 करोड़ रुपए के अंतर-संचालन लेनदेन किए गए हैं। एनएफएसए लाभार्थियों को राज्य में कुल 293 एलएमटी खाद्यान्न वितरित किया गया है।

गृह राज्यमंत्री राय ने कहा

आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पेश

सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के कुशल कामकाज को मजबूत करना है और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले हितधारकों के बीच अधिक स्पष्टता लाना है। विधेयक पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राज्यों के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं है।

संसद में बोले शेखावत

ईकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के लिए नीति बनाई

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हुए कहा कि पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत को समग्र रूप से प्रोत्साहन देता है। इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन को भी प्रोत्साहन दिया गया है। देश में इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीतियां तैयार कीं है।

राहुल पर बरसे अनुराग ठाकुर

नेहरू ने तो आरक्षण के विरोध में लिखा था पत्र मंडल आयोग की रिपोर्ट के खिलाफ थे राजीव

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को जाति विवाद को लेकर कांग्रेस पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा और दावा किया कि यदि सामंतवादी सोच वाली कांग्रेस ने मंडल और काका कालेलकर की रिपोर्ट की राह में रोड़ा नहीं अटकाया होता, तो आज स्थिति कोई और होती। अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेहरू ने तो आरक्षण के विरोध में अपने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख दिया था, जबकि राजीव गांधी खुलेआम मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध करते थे।

राहुल के पूर्वज दलितों को बुद्धू कहते थे

ठाकुर ने कहा कि सांच को आंच नहीं। कुछ लोगों के मेरे भाषण से उनके विचारों को गहरी चोट लगी है, जिसका असर हुआ कि पूरी कांग्रेस ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया है। यह वही लोग हैं जिनके पूर्वज देश के पिछड़ों, दलितों और वंचितों को बुद्धू कहा करते थे। जो लोग आज तक लेगेसी की मलाई खाते आ रहे रहे हैं। आज उनके मुंह में सवाल की खटाई क्या पड़ी, ये झूठ बोलकर अपनी जग हंसाई करवा रहे हैं। लम्हों ने ख़ता की थी, सदियों ने सजा पाई।

भारत और जापान में बौद्ध धर्म की साझी विरासत है जो नागरिकों को आपस में जोड़ती हैः लोकसभा अध्यक्ष बिरला

ओम बिरला ने जापान के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के साथ की बैठक

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के साथ बैठक की। जापानी संसदीय शिष्टमंडल भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर है।

बिरला ने भारतीय संसद की नारी सशक्तिकरण की प्रति प्रतिबद्धता की जिक्र करते हुए कहा की फुकुशिरो को सूचित किया कि नए संसद भवन के पहले सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए। बजट सत्र को सबसे महत्वपूर्ण सत्र बताते हुए बिरला ने भारत की बढ़ती आर्थिक प्रगति का उल्लेख किया और कैसे हर क्षेत्र में भारत आगे बढ़ रहा है इसकी जिक्र किया। भारत और जापान के बीच प्राचीन एवं गहरे रिश्तों का उल्लेख करते हुए ओम बिरला ने कहा कि दोनों सभ्यताओं में बौद्ध धर्म की साझी विरासत है जो दोनों देशों के नागरिकों को आपस में जोड़ती है। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए फुकुशिरो दोनों देशों के आर्थिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि जापानी कम्पनियाँ भारत में निवेश करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने भारत और जापान के बीच मानव संसाधनों के आदान प्रदान को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने आईटी, सेमि-कंडक्टर और आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस जैसे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। दोनों देशों की रणनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जापान और भारत एशिया महाद्वीप के दो सशक्त लोकतंत्र है जो कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन पर आधारित है। उन्होंने आगे कहा कि एशियाई शांति और समृद्धि भारत और जापान के करीबी सहयोग से स्थापित होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

बच्चे पर सिर्फ माता-बाप का ही नहीं दादा-दादी का भी है बराबर का हक

रॉयल पत्रिका

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे पर सिर्फ मां-बाप का ही हक नहीं होता है। दादा-दादी का भी उतना ही हक होता है।

कोर्ट ने यह फैसला 4साल की एक बच्ची के मामले में सुनाया। कोर्ट ने बच्ची की मां से यह भी कहा है कि वह बच्ची के दस्तावेजों से पिता का नाम न हटाए। इतना ही नहीं कोर्ट ने महिला को उसकी बच्ची की दादा-दादी से वीडियो कॉल पर बात कराने का भी आदेश दिया है। एक महिला 4 साल की बच्ची को लेकर जर्मनी चली गई। पिता ने बेटी को पेश के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका दाखिल की। बेंच ने कहा कि चूंकि बच्ची अभी बहुत छोटी है इसलिए उसे अभी मां के साथ रहना चाहिए। बच्ची को उसके दादा-दादी से भी वीडियो कॉल पर बात कराई जाए। कोर्ट ने मां से यह भी कहा कि बच्ची भले ही मां के साथ रह रही है लेकिन उसकी राष्ट्रीयता भारतीय रहनी चाहिए।

स्वाति मारपीट केस

सुप्रीम कोर्ट की फटकार, बिभव का व्यवहार किसी 'गुंडे' जैसा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि क्या इस तरह के गुंडे को सीएम आवास में काम करना चाहिए। बिभव ने इस साल मई में आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित रूप से हमला किया था। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने बिभव की जमानत याचिका पर सुनवाई अगले बुधवार के लिए सूचीबद्ध की। पीठ ने बिभव कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि अदालत दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से दर्ज की गई घटना के विवरण से हैरान है।

विशेषज्ञों के विरोध से केंद्रीय वित्त मंत्रालय का यू-टर्नः10% सीमा शुल्क लिया वापस

रॉयल पत्रिका

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में, औद्योगिक-ग्रेड इथेनॉल को छोड़कर, आयातित प्रयोगशाला रसायनों पर 10 प्रतिशत सीमा शुल्क को एक शर्त के साथ वापस कर दिया। शर्त ये है कि आयातकों को एक वचन पत्र संबंधित विभाग में जमा कराना होगा। वचन पत्र का प्रारूप जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा।

यह अधिसूचना वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2024-25 के केंद्रीय बजट में आयातित प्रयोगशाला रसायनों पर सीमा शुल्क में 10 प्रतिशत से 150 प्रतिशत तक भारी बढ़ोतरी की घोषणा के एक हफ्ते बाद आई है। सीतारमण की घोषणा से विशेषज्ञों के बीच तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। विशेषज्ञों का मानना था कि बढ़े टैक्स दर से अनुसंधान लागत में भारी वृद्धि होगी। मंत्रालय द्वारा अब एक नया खंड शुरू करने से, हार्मोनाइज्ड सिस्टम कोड 9802 के तहत 10% मूल सीमा शुल्क पर प्रयोगशाला रसायनों के आयात की अनुमति मिल गई है। शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को कुछ हद तक राहत मिली है। घटी हुई दरों को लागू करने के लिए आयातक को सीमा शुल्क के डिप्टी कमिश्नर या सहायक आयुक्त को एक वचन पत्र जमा करना होगा। वचन पत्र में यह घोषणा करनी होगी कि आयातित सामान प्रयोगशाला में उपयोग के लिए या अनुसंधान और विकास उद्देश्यों में उपयोग के लिए होगा। आयात के बाद उक्त उत्पाद को बेचा या व्यापार नहीं किया जाएगा। शर्त का पालन करने में उपक्रम विफल हुआ तो कानूनी रूप से उत्तरदायी होगा। नई अधिसूचना 1 अगस्त से लागू हो गई है। शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और रसायनों के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आयातकों के लिए स्थिति की व्याख्या करने के कारण, अधिसूचना ने इसके कार्यान्वयन पर कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं।

चांदीपुरा वायरस ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाला

गुजरात के बाद राजस्थान में भी संक्रमण की दस्तक

रॉयल पत्रिका

गुजरात के कई शहरों में करीब दो महीने से रिपोर्ट किए जा रहे चांदीपुरा वायरस के मामले स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक अब तक राज्य में 59 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। चांदीपुरा वायरस के कारण एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) का खतरा देखा जाता रहा है जिसे स्वास्थ्य विशेषज्ञ गंभीर और जानलेवा जोखिमों वाला मानते हैं। छोटे बच्चों में एईएस के मामले गंभीर और जानलेवा हो सकते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दी चेतावनी

कई राज्यों में लोगों को किया गया अलर्ट

जून की शुरुआत से गुजरात में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के कई मामले सामने आए हैं। 31 जुलाई 2024 तक देश में एईएस के 148 मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इसमें गुजरात के 24 जिलों से 140,

गुजरात में नेशनल ज्वॉइंट आउटब्रेक रिस्पांस टीम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी उपायों और महामारी को लेकर विस्तृत जांच करने में गुजरात सरकार की सहायता के लिए नेशनल जॉइन्ट आउटब्रेक रिस्पांस टीम (एनजेओआरटी) भी तैनात की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुजरात सहित चांदीपुरा वायरस का खतरा कई राज्यों में बढ़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं।

चांदीपुरा वायरस से अब तक 51 लोगों की मौत

गुजरात में चांदीपुरा वायरस और एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामलों से अब तक 51 मरीजों की मौत हो गई है। एईएस के 31 जुलाई तक 148 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 140 गुजरात, मध्य प्रदेश से 4, राजस्थान से 3 और महाराष्ट्र से 1 से हैं। इनमें से 59 मामलों में मौत हो चुकी है जबकि 51 मामलों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक 19 जुलाई से एईएस के नए मामलों में गिरावट देखी जा रही है।

नीट पेपर लीक मामला

भुवनेश्वर से सीबीआई ने 3 को दबोचा, 5 अगस्त तक रिमांड पर

रॉयल पत्रिका

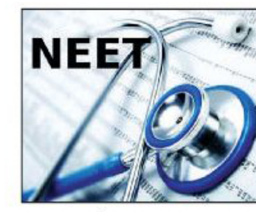

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने तीन अन्य आरोपितों को भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया है। इनमें रंजीत कुमार, अमित प्रसाद और धीरेंद्र कुमार शामिल हैं। इन्हें मंगलवार की देर रात को गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तारी के बाद इन तीनों को पटना स्थित सीबीआई की विशेष दंडाधिकारी कुमारी रिंकू की कोर्ट में बुधवार को पेश किया गया। यहां से केंद्रीय जांच एजेंसी की अपील पर इन्हें 5 अगस्त तक के लिए रिमांड पर भेज दिया गया। इनसे पूछताछ में कई अहम बातों के खुलासे की संभावना है। गिरफ्तार किए गए ये तीनों सेटर गैंग के सदस्य बताए जा रहे हैं। इनकी भूमिका पेपर लीक में काफी अहम रही है। इन तीनों से पूछताछ में कई अहम बातों का खुलासा हो सकता है। साथ ही संजीव मुखिया, अतुल वत्स समेत कुछ अन्य बड़े सेटरों के बारे में अहम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,